mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-287 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

17 अक्टूबर 2024 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

पूर्व कप्तान रानी...

@ पेज 5

संक्षिप्त समाचार

सरकार ने रबी की 6 फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 150 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाकर 2,425 रुपए क्विंटल कर दिया है। रबी की 5 अन्य फसलों जौ, चना, मसूर, सरसों, कुसुम की एमएसपी में भी बढ़ोतरी

की है। बुधवार (16 अक्टूबर) को कैबिनेट मीटिंग में ये फैसला लिया गया। रबी फसल की बुआई लौटते मानसून (अक्टूबर-नवंबर) के समय की जाती है। इन फसलों की कटाई आमतौर पर गर्मी के मौसम में अप्रैल में होती है। ये फसलें बारिश से ज्यादा प्रभावित नहीं होतीं। रबी की प्रमुख फसलें गेहूं, चना, मटर, सरसों और जौ हैं।

दो और फ्लाइट्स में बम होने की मिली धमकी

आकासा-इंडिगो प्लेन की कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो की मुंबई-दिल्ली फ्लाइट की बुधवार को बम की धमकी के बाद अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इंडिगो ने बताया कि सिक्योरिटी अलर्ट के कारण फ्लाइट को अहमदाबाद भेजा गया। यहां सभी यात्रियों को

विमान से सुरक्षित उतारा गया। इंडिगो के अलावा अकासा एयर की दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट में भी बम की धमकी मिली। फ्लाइट में 177 यात्री और 7 लोगों का केबिन क्रू सवार था। धमकी के बाद फ्लाइट को दोपहर करीब 2 बजे वापस दिल्ली लाया गया और आईजीआई एयरपोर्ट पर दूर ले जाकर उतारा गया।

बिहार में फिर से हुआ जहरीली शराब कांड

सिवान में 5 और छपरा में 2 लोगों की मौत

सिवान (एजेंसी)। बिहार के सिवान में जहरीली शराब से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 3 लोगों की तबियत बिगड़ी हुई है, जिसमें एक व्यक्ति को गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया गया है। जबकि 2 लोगों का अभी भी सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। उधर, छपरा में

भी जहरीली शराब पीने से 2 लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के कौड़ियां पंचायत वैश्य टोली और आसपास के गांवों की है। स्थानीय लोगों की माने तो एक दर्जन से ज्यादा लोगों की जहरीले शराब पीने से मौत हुई है।

अब वीआईपी सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो

मोदी सरकार ने बनाया है नया प्लान,सीआरपीएफ की होगी तैनाती

योगी समेत 9 नेताओं की सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी के यह कमांडो

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीआईपी सुरक्षा में लगे हस्त्र कमांडो को हटाने का फैसला सरकार ने किया है। 9 अति महत्वपूर्ण लोगों को वीआईपी सुरक्षा दी गई और उनकी सुरक्षा में एनएसजी के कमांडो तैनात है। अब अगले महीने से इनकी सुरक्षा का जिम्मा सीआरपीएफ के हवाले होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की एक नई बटालियन को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वीआईपी सुरक्षा प्रकोष्ठ के साथ जोड़ने की

स्वीकृति भी दी है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो जेड प्लस कैटेगरी के नौ वीआईपी लोगों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा अध्यक्ष मायावती, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू हैं, जिन्हें अब सीआरपीएफ का सुरक्षा घेरा प्रदान किया जाएगा।

सीईसी के हेलीकॉप्टर की उत्तराखंड में इमरजेंसी लैंडिंग

मौसम खराब होने पर खेत में उतारा

पिथौरागढ़ (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के हेलीकॉप्टर की उत्तराखंड में मुनस्यारी के रालम में इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। इसकी वजह खराब मौसम बताई गई है। हेलीकॉप्टर मिलम की तरफ जा रहा था। उनके साथ राज्य के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे भी हैं। सीईसी का मिलम से नंदा देवी बेस कैम्प ट्रैकिंग के लिए जाने का प्लान था, लेकिन इस बीच दोपहर 1 बजे मौसम खराब हो गया। पायलट ने खतरा महसूस होते ही सूझबूझ का परिचय देते हुए हेलीकॉप्टर की पास में ही एक खेत में सेफ लैंडिंग करा दी। डीएम ने सीईसी से बात की, वे सुरक्षित हैं। लैंडिंग के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त और उनके साथ मौजदू अन्य अधिकारियों को पास स्थित गेस्ट हाउस ले जाया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार, 15 अक्टूबर को झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का ऐलान किया है। झारखंड में दो फेज में वोटिंग होगी।

पीएम शहबाज शरीफ को पहले सुनाया, फिर से की मुलाकात

अंत में जयशंकर ने दिया धन्यवाद, इसे कहते हैं कूटनीति

जयशंकर की पाक प्रधानमंत्री से हुई अनौपचारिक बातचीत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद में हो रही एससीओ समिट के दूसरे दिन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत हुई। बुधवार को पाक पीएम शहबाज शरीफ, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार, एस जयशंकर और दूसरे नेता एक-दूसरे के साथ अनौपचारिक रूप से बातचीत करते दिखे। इस दौरान शरीफ और जयशंकर में भी गुफ्तगू हुई। इसके बाद जयशंकर भारत के लिए रवाना हो गए। वापसी से पहले जयशंकर ने पाकिस्तान सरकार को मेहमाननवाजी के लिए शुक्रिया कहा।

- **पाकिस्तान में गुजारे 24 घंटे, पाक-चीन पर निशाना-** भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने करीब 24 घंटे पाकिस्तान में गुजारे। एस जयशंकर ने पाकिस्तान में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक में अपने भाषण में चीन-पाकिस्तान को भी सुनाया। उन्होंने कहा कि सभी देशों को एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान करने की जरूरत है। अगर एससीओ के मेंबर देशों के बीच दोस्ती में कमी आई है तो इस पर विचार किया जाना चाहिए। हमारे बीच भरोसे में कमी है तो हमें अपने अंदर झांकना होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान और चीन को अपने संबोधन में हिदायत भी दी।

उमर अब्दुल्ला ने ली शपथ, बने जेके यूटी के पहले सीएम

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रैना को हराने वाले सुरेंदर चौधरी डिप्टी सीएम, कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे इस केंद्र शासित राज्य के पहले सीएम बन गए। कार्यक्रम श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। हालांकि उमर के शपथ समारोह में राहुल और प्रियंका गांधी मौजूद रहे। कांग्रेस ने सरकार को बाहर से समर्थन दिया है। पार्टी का कहना है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी। शपथ लेने के बाद उमर ने कहा कि उनकी गाड़ी के लिए सड़क पर कोई भी ग्रीन कॉरीडोर या ट्रैफिक नहीं रोका जाएगा। उन्होंने अपने मंत्रियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी ऐसा ही करें। उमर का कहना है कि वे जनता की सेवा के लिए हैं, न कि उन्हें

तकलीफ देने के लिए। समारोह में 50 से ज्यादा वीआईपी, केजरीवाल-ममता नहीं आए शपथ में इंडिया ब्लॉक के नेताओं में अखिलेश यादव, संजय सिंह समेत 6 पार्टियों के लीडर्स पहुंचे थे। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, लालू प्रसाद यादव और अरविंद केजरीवाल सहित करीब 50 वीआईपी को न्योता भेजा गया था। हालांकि केजरीवाल और ममता बनर्जी समारोह में नहीं पहुंचे। भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा- मैं उमर अब्दुल्ला को बधाई देता हूं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है।

नायब सिंह सैनी ही रहेंगे हरियाणा के मुख्यमंत्री

- शाह की मौजूदगी में नाम तय,राजभवन पहुंचकर सरकार बनाने का दावा पेश किया, शपथ आज

चंडीगढ़/पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा में नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। बुधवार (16 अक्टूबर) को पंचकूला में बीजेपी विधायक दल की मीटिंग में उन्हें नेता चुना गया। मीटिंग में विधायक कृष्ण बेदी ने नायब सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका अनिल विज और आरती राव ने समर्थन किया। फिर सभी विधायकों ने नायब सैनी के नाम पर सहमति दे दी। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने नायब सैनी के सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। शाह ने कहा हरियाणा की स्थापना से लेकर अब तक कोई भी मुख्यमंत्री लगातार तीसरी बार सफल नहीं हुआ। युवा नायब सैनी के नेतृत्व में हम तीसरी बार चुनाव जीत पाए हैं। शाह के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी ऑब्जर्वर के तौर पर मौजूद रहे। इसके बाद नायब सैनी ने अमित शाह के साथ राजभवन जाकर गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान 3 निर्दलीय विधायकों ने भी बीजेपी को समर्थन का पत्र सौंपा।

पराली को लेकर हरियाणा व पंजाब पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड अभी शुरुआती चरण में ही है, लेकिन पंजाब और हरियाणा में पराली जलाए जाने की घटनाएं होने लगी हैं। इस पर रोक नहीं लग सकी है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कड़ी नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों

चीफ सेक्रेटरी को लगाई फटकार, कहा-आपने हमारे आदेश का पालन क्यों नहीं किया

राज्यों की सरकारों को उसके पिछले आदेश का पालन नहीं करने पर फटकार लगाई और चेतावनी दी कि अगर आदेश का पालन नहीं किया गया तो वह उनके मुख्य सचिवों के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि राज्य सरकार पराली जलाने के लिए लोगों पर मुकदमा चलाने और मामूली जुर्माना लगाकर लोगों को छोड़ देने से क्यों कतरा रही है। , सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा से कहा,भारतीय अंतरीक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) आपको वह स्थान बता रहा है, जहां आग लगी थी और आप कहते हैं कि आपको कुछ नहीं मिला। कोर्ट ने दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों को 23 अक्टूबर को अदालत में पेश होने के लिए

कहा। जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को निर्देश दिया है कि वह उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए हरियाणा सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करे।

अमेरिका में 2008 की मंदी से भी बुरी स्थिति

- 43 फीसदी छोटी कंपनियों के लिए है बड़ी मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में छोटी कंपनियों का बुरा हाल है। रसेल 2000 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से 43 फीसदी घाटे में चल रही हैं। यह साल 2020 की महामारी के बाद सबसे अधिक है। यह 2008 के वित्तीय संकट से भी अधिक है। तब 41 फीसदी छोटी कंपनियां घाटे में चल रही थीं। इतना ही नहीं इन कंपनियों का ब्याज के भुगतान पर भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। यह 2003 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उच्च ब्याज दरों के कारण इन कंपनियों के लिए ब्याज चुकाना भी मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में छोटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी कंपनियां भी मुश्किल में हैं। इस साल अब तक 512 बड़ी कंपनियां खुद को दिवालिया घोषित कर चुकी हैं। यह 2020 की महामारी के दौरान से बस 6 कम है। महामारी के दौर को हटा दिया जाए तो यह 14 साल में सबसे बड़ी संख्या है। सितंबर में जहां 59 कंपनियां दिवालिया हुई, वहीं अगस्त में 63 कंपनियों ने खुद को बैंकरप्ट घोषित किया। सबसे ज्यादा 81 कंपनियां कंज्यूमर सेक्टर में बैंकरप्ट हुई हैं।

महाराष्ट्र में अबकी भाजपा के लिए आर-पार की जंग

चुनाव में देनी होगी अग्निपरीक्षा, बहुत कुछ लगा है दांव पर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर 20 नवंबर को होने वाले चुनावों की घोषणा के बाद अब सभी

की नजरें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर टिकी हैं। भाजपा राज्य की सत्ताधारी महायुति गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है। लोकसभा चुनावों में राज्य में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा वापसी की उम्मीद कर रही है।

राज्य में अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए यह चुनाव भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। भाजपा के लिए यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य में 6 महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। जून 2024 में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफे की पेशकश की थी। इस चुनाव में भाजपा को महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से केवल 9 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि 2014 और 2019 में पार्टी ने 23 सीटें जीती थीं। भाजपा का वोट प्रतिशत भी 27.84 फीसदी से घटकर 26.45 फीसदी हो गया था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण अग्निपरीक्षा है।

बीएसएनएल ला रही सैटेलाइट नेटवर्क, बिना सिम होगी कॉलिंग

डेटा, जियो, एयरटेल की चिंता बढ़ी,डायरेक्ट-टू-डिवाइस सैटेलाइट कनेक्टिविटी का सफल रहा ट्रायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनी वियासत ने डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डी2डी) सैटेलाइट कनेक्टिविटी प्रदर्शित की है। खास बात है कि ये ट्रायल सफर रहा और भारत के लिए काफी गर्व का विषय भी बन गया है। बीएसएनएल के साथ पार्टनरशिप में वियासत ने सैटेलाइट पावर्ड और एसओएस मैसेजिंग का कमर्शियल एंड्रॉयड स्मार्टफोन पर ट्रायल किया है। ये ट्रायल इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 के दौरान किया गया। दोनों कंपनियों ने अपने जॉइंट स्टेटमेंट में इस बात की पुष्टि की है। वियासत ने कहा, वह अपने पार्टनर्स के साथ काम कर रही है, भारत में बीएसएनएल इस लिस्ट में है। दरअसल ये पूरा ट्रायल सैटेलाइट सर्विस को कस्टमर और आईओटी डिवाइस के लिए किया गया है। वियासत की तरफ से किया गया ये ट्रायल टू-वे और एसओएस मैसेजिंग वाला था। इसे कमर्शियल एंड्रॉयड स्मार्टफोन पर किया गया था। इसे एनटीएन कनेक्टिविटी के लिए किया गया। ट्रायल के दौरान 36 हजार किलोमीटर की दूरी से ट्रांसमिट किया गया था। ऑफिशियल रिलीज में बताया गया, नतीजे बताते हैं कि वियासत सैटेलाइट नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए सेल फोन कनेक्टिविटी सक्षम है और इसकी मदद से आसानी से कनेक्ट किया जा सकता है। खास बात है कि इशे बिजनेस के उद्देश्य से भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वियासत आगे बताते हैं कि डायरेक्ट-टू-डिवाइस कनेक्टिविटी बिल्कुल नई तकनीक है जो सैटेलाइट नेटवर्क से कनेक्ट करने में मदद करेगी।

संक्षिप्त समाचार

नगरीय प्रशासन विभाग को मिली 300 करोड़ रुपये की चुंगी क्षतिपूर्ति राशि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनुशंसा पर वित्त विभाग द्वारा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को 300 करोड़ रूपये की राशि आहरित करने की अनुमति प्रदान की गई है। इस वर्ष 31 मार्च से लगाए गए प्रतिबंधों को शिथिल करते हुए वित्त विभाग द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। वित्त विभाग ने जारी आदेश में नगरीय विकास विभाग को 300 करोड़ रुपये की राशि में से 60 करोड़ 17 लाख रूपये उर्जा कम्पनियों को भुगतान करने के निर्देश दिये हैं। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री भरत यादव ने बताया कि विभागीय मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देशानुसार इस राशि से नगरीय निकायों में कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, स्थापना व्यय एवं अन्य अत्यावश्यक कार्य किये जायेंगे।

मध्यक्षेत्र विद्युत कंपनी महा-अभियान चलाकर करेगी ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को घोषित अवधि में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करने का महा-अभियान शुरू किया जा रहा है। इस महा-अभियान में ऐसे वितरण ट्रांसफार्मर जिन पर क्षमता से अधिक भार अधिरोपित होने से बार-बार फेल हो जाते हैं, उनकी क्षमता वृद्धि करके फेल ट्रांसफार्मरों की संख्या को नियंत्रित किया जाएगा। साथ ही बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। कंपनी ने इसके लिए वितरण ट्रांसफार्मरों के क्षमता वृद्धि की स्वीकृति क्षेत्रीय एवं वृत्त स्तर पर प्रदान करते हुए क्षमता वृद्धि के कार्य को महा-अभियान संचालित कर पूरा करने का निर्णय लियाहै। कंपनी द्वारा कुछ शर्तों के साथ वितरण ट्रांसफार्मरों के क्षमता वृद्धि की स्वीकृति दी है।इस अभियान में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में लगाए गए दो या उससे अधिक बार असफल हुए वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि के कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जाएंगे। कंपनी ने बताया है कि वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि 25 से 63 के. व्ही. ए. एवं 63 से 100 के व्ही ए. की जाएगी। क्षमता वृद्धि के बाद बेहतर स्थिति के 25 केव्हीए वितरण ट्रांसफार्मर को फेल ट्रांसफार्मर के स्थान पर एवं 63 के. व्ही. ए. के ट्रांसफार्मर को 25 से 63 के. व्ही. ए. क्षमता वृद्धि के कार्य में उपयोग में लाया जाएगा।

डॉ. अंबेडकर की विरासत समाज को करती है प्रेरित : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के भारतीय समाज में समानता, न्याय और सामाजिक समरसता के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा स्थापित किये गये सिद्धांत विशेष रूप से वंचित वर्गों के अधिकारों और सम्मान की सुरक्षा, हमारे समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री देवड़ा आज ऑल इण्डिया एससी-एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि रेलवे में कार्य करने वाले इन वर्गों के कर्मचारियों को डॉ. अंबेडकर के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिये। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहेब के पंचतीर्थ के महत्व को समझकर उसका पुनर्निर्माण एवं विस्तार किया। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम छोर तक खड़े दलित वर्ग के अधिकारों के लिये काम किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी.एल. बरैया, सचिव श्री अशोक कुमार, शाक्य पुत्र सागरजी उपस्थित रहे।

पिछड़ा वर्ग की छात्रवृत्ति की केन्द्र की राशि शीघ्र मिलेगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य के पिछड़ा वर्ग के छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति एवं छात्रावास के केन्द्र के अंश की राशि शीघ्र मिलेगी। यह जानकारी मंत्रालय में अपर मुख्य सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु जनजाति कल्याण श्री अजीत केशरी और केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में अतिरिक्त सचिव श्रीमती कैरलिन खोंगवार देशमुख के साथ विगत दिवस हुई बैठक में दी गई। बैठक में अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु जनजाति कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री केसरी ने छात्रवृत्ति एवं छात्रावास के लिए मिलने वाली केन्द्रांश की राशि को शीघ्र जारी करने की बात कही। उन्होंने छात्रवृत्ति के संबंध में केन्द्र और राज्य में आय एवं राशि के संबंध में एकरूपता लाने के संबंध में भी चर्चा की। साथ ही छात्रावास भवन निर्माण में बढ़ी हुई दर से राशि देने के लिए कहा।

कृषि विद्यार्थी किसानों की खेती संबंधी जटिल समस्याओं के समाधान में योगदान दें : राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कृषि विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक ज्ञान-विज्ञान व तकनीकी कौशल का उपयोग कर किसानों की खेती संबंधी जटिल समस्याओं के समाधान में अपना योगदान दें। साथ ही वंचित एवं दूरस्थ अंचलों तक उन्नत कृषि तकनीक पहुँचाने के प्रयास भी प्रमुखता से करें। राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उपाधियाँ प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, उनके गुरुजनों व पालकों को बधाई व शुभकामनाएं प्रदान कीं।कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में यह दीक्षांत समारोह डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा समस्तीपुर बिहार के कुलाधिपति प्रो. पी एल गौतम व भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री दिनेश कुलकर्णी के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला, विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्यगण एवं आचार्य मंचासीन थे।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात कृषि वैज्ञानिक श्री जगदीश कुमार लड्ढा, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री ओ पी श्रीवास्तव, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कृषि वैज्ञानिक श्री पी एम गौर एवं जैविक खेती में नाम कमा रहे श्री वत्सल दीपक सजदे को कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 7 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व 4 विद्यार्थियों को सिरताज बहादुर सिन्हा स्मृ?ति नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। वर्ष 2023-24 के कुल 979 विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें 48 शोधार्थियों को पीएचडी, 666 को स्नातक एवं 265 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्रदान की गईं। इस अवसर पर दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल की दिशा में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में उद्यमों की संभावनाओं को पहचानने में विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना चाहिए। साथ ही नए विचारों व नवाचारों के द्वारा सामान्य किसानों को उत्पादक से उद्यमी बनाने के प्रयास करने की भी जरूरत है।

वन विहार में पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में छात्र-छात्राओं में वन्य-प्राणियों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दृष्टि से भोपाल शहर एवं उसके आसपास के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये एक दिवसीय विशेष पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प आयोजित किया गया। नेचर कैम्प में संस्कार वैली स्कूल भोपाल के 45 छात्र-छात्राओं एवं 5 शिक्षकों ने भाग लिया। शिविर में शोध व्यक्ति के रूप में सेवानिवृत्त उप वनरक्षक डॉ. एस.आर. वाघमारे और श्री ए.के. खरे द्वारा प्रतिभागियों को पक्षी दर्शन, तितली, वन्य-प्राणी दर्शन, वानिकी गतिविधियों की जानकारी के साथ वन्य-प्राणियों एवं पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियाँ कराई गईं और उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया।

जैव-विविधता एवं उसके संरक्षण के बारे में छात्र-छात्राओं को विषय-विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई। इसके अलावा बाघ, तेंदुआ, भालू, मगर, घड़ियाल, चीतल, सांभर और नीलगाय जैसे वन्य-प्राणियों का अवलोकन कराया गया। तितलियों के लार्वा, प्यूपा को दिखाकर तितली के लाइफ साईकल को समझाया गया।

मध्यप्रदेश का गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट पर्यटकों के मन को भा रहा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एडवेंचर प्रेमी पर्यटकों को आकर्षित करने और गांधीसागर को भारत के शीर्ष पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने उद्देश्य से गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का आगाज़ हो चुका है। यह शानदार आयोजन पर्यटकों को प्रकृति, रोमांच और संस्कृति के बड़े ही खूबसूरत संगम से रू-ब-रू करा रहा है। दो सफल संस्करण के बाद इस वर्ष गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के तीसरे संस्करण को पूरे देश और यहाँ तक कि विदेशी पर्यटकों से भी अपार प्रशंसा और प्रतिसाद मिल रहा है। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट में प्रीमियम सुविधाओं वाले ऑल सीजन टेंट्स शामिल किए गए हैं, जो हर मौसम के अनुकूल और अधिकतम आराम के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह लग्जरियस टेंट्स पर्यटकों के लिए गांधीसागर में बिताई रातों को और भी यादगार बना देंगे। मेहमान स्वादिष्ट स्थानीय और देसी व्यंजनों का आनंद लेने के साथ ही, इनडोर स्पोर्ट्स की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपने उत्साह को और भी बढ़ा रहे हैं। रोज शाम को लाइव म्यूजिक परफॉर्मेंस में देश के जाने-माने कलाकारों को अपनी दिलकश आवाज़ का जादू बिखेरते हुए देखा जा सकता है। विभिन्न संगीत शैलियों में एक से बढ़कर एक रोमांचक परफॉर्मेंसेस संगीत प्रेमियों को अपना बनाने के लिए काफी हैं।

सुरों की मधुर धुनों, गायकों की दिलकश आवाज़ों, लाइव म्यूजिक परफॉर्मेंस की अनूठी प्रस्तुतियों ने गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट को रोचक और आकर्षक बना दिया है। गांधीसागर फेस्टिवल रोमांच, मनोरंजन और संस्कृति का अद्वितीय मेल है। मंदसौर के गांधीसागर बैक-वॉटर्स के किनारे पर्यटक कई तरह की रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। साथ ही मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी अनुभव कर सकते हैं। ऑफ बीट मल्टीस्पेशलिटी डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश में उभरता हुआ पर्यटन आकर्षण गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट में सभी उम्र के लोगों के लिए सभी कुछ है।

अभियान के तीसरे दिन उपनगर ग्वालियर की विभिन्न बस्तियों में पहुँचे ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उपनगर ग्वालियर की बस्तियों की साफ-सफाई एवं मूलभूत समस्याओं के निराकरण के लिये ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तीसरे दिन भी श्री तोमर ने इस क्षेत्र की विभिन्न बस्तियों में पहुँचकर साफ सफाई एवं विद्युत, सीवर व पेयजल आदि समस्याओं की वस्तुस्थिति जानी। उन्होंने मेवाती मोहल्ले में सीवर चौक मिलने पर नाराजगी जताई। साथ ही स्वयं खडे होकर सीवर की सफाई कराई। श्री तोमर ने नगर निगम के अधिकारियों को इस सीवर लाइन को सुचारू करने के निर्देश भी दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अभियान के तीसरे दिन शील नगर से यात्रा प्रारंभ की। शील नगर से चंद्रनगर, कोटेश्वर मंदिर, इंद्रा कॉलोनी, सदाशिव नगर, गुरूनानक नगर, मेवाती मोहल्ला, बहोडापुर, किशनबाग, लक्ष्मीपुरम, किशनबाग, गरगज कॉलोनी, 20 सूत्रीय नगर व इस्लामपुरा होते हुए रामाजी का पुरा पहुँचकर यात्रा का समापन किया गया। भ्रमण के दौरान मंत्री श्री तोमर ने इंद्रा कॉलोनी में स्वयं झाडू लगाकर सफाई की और स्थानीय निवासियों से अपने घर के साथ-साथ मोहल्ले की गलियों को साफ-सुथरा रखने में सहयोग देने का आह्वान किया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखकर साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था करें और किसी भी बस्ती में अंधेरा न रहे, इसके लिए खराब स्ट्रीट लाइट तत्काल बदली जाएँ।यात्रा के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने स्थानीय निवासियों से कहा कि वे अपने घरों का कचरा बाहर न फेंककर नगर निगम के कचरा वाहन में डालें। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कचरा वाहन नियमित रूप से सभी बस्तियों में पहुँचें।

मध्यप्रदेश में हो रही पेपरलेस बूथ की संकल्पना साकार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग श्री बसंत प्रताप सिंह के कुशल निर्देशन में म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पेपरलेस मतदान प्रक्रिया की ओर बढ़ाया गये कदम में एक ओर पड़ाव जुड़ गया है। आज 15 अक्टूबर 2024 को रीवा जिले के त्यौंथर तहसील की ग्राम पंचायत अतरैला-11 में सरपंच पद के लिये चुनाव सभी तीनों मतदान केन्द्रों पर पेपरलेस प्रक्रिया, पोलिंग बूथ मेनेजमेन्ट सिस्टम के माध्यम से किया गया है। उल्लेखनीय है कि भोपाल जिले के बैरसिया विकासखंड की ग्राम पंचायत रतुआ रतनपुर में सरपंच पद के लिये हुए मतदान में मतदान केन्द्र-295 में पायलट प्रोजेक्ट में पेपरलेस प्रक्रिया की शुरूआत की गयी थी। यह प्रयोग देश में पहली बार मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किया जा रहा है। इस तरह से मध्यप्रदेश में पेपरलेस बूथ की संकल्पना साकार हो रही है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि इस प्रक्रिया में मतदाताओं की पहचान और उनके द्वारा मत देने के रिकार्ड के रूप में हस्ताक्षर और अंगूठा लगाने को इलेक्ट्रॉनिकली किया गया। इस प्रक्रिया में मुख्यत: मतदान केन्द्र पर पीठासीन अधिकारी द्वारा भरे जाने वाले समस्त प्रपत्रों को ऑनलाइन कर रिटर्निंग अधिकारी को सबमिट करने की व्यवस्था विकसित की गयी है। इस प्रक्रिया में मतदान का प्रतिशत और मत-पत्र लेखा ऑनलाइन किया गया है। मतदान का प्रतिशत हर 2 घंटे के साथ-साथ लाईव देखा जा सकता है। मतदान समाप्ति के बाद अभ्यर्थियों एवं मतदान अभिकर्ताओं को मत-पत्र लेखा भी उनके ई-मेल आईडी पर दी जायेगी। इस पेपरलेस बूथ की संकल्पना को आगे साकार करने के लिये हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जायेंगी-उच्च शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय में भारतीय ज्ञान परंपरा शीर्ष समिति की बैठक हुई। बैठक में विश्वविद्यालय/सम्भागीय कार्यशालाओं की जानकारी और समस्त विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षकों के प्रशिक्षण की समीक्षा की गई। मंत्री श्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर समस्त विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा विविध संदर्भ को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिये। बैठक में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के लिए पुस्तकों की सूची का अवलोकन एवं अनुमोदन हुआ, साथ ही मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी लेखकों द्वारा पुस्तकों की सूची का विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण पर भी चर्चा की गई। मंत्री श्री परमार ने स्नातक प्रथम वर्ष के पाठयक्रम का रिव्यू करते हुए

पाठ्यक्रम निर्माण 20 नवम्बर 2024 तक, चिन्हित लेखकों द्वारा पाण्डुलिपि का निर्माण 31 जनवरी 2025 तक, पाण्डुलिपि का परीक्षण फरवरी 2025 तक तथा पुस्तकों का प्रकाशन मई 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि पाठय पुस्तकों में स्थानीय समुदाय/जनजातीय समुदाय की आस्था, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, प्रकृति के प्रतिश्रद्धा-समन्वय के भाव का समावेश होना चाहिये। सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी करने वाले विद्यार्थियों को पुरूस्कृत किया जाना चाहिए। श्री परमार ने कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों को अध्ययन केंद्रो का भ्रमण कराया जाये। शिक्षा के लिए समाज को योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। विद्यादान जैसा अभियान चलाकर समाज की सहभागिता प्राप्त की जाना चाहिये।

श्रमिक एवं उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं, दोनों के हित साझा हैं-श्रम मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर में श्रम विभाग के तीनों मंडलों के संचालक मंडल की बैठक ली। बैठक में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिक एवं उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों के हित साझा हैं। उन्होंने कहा कि तीनों मण्डल प्रदेश के संगठित और असंगठित वर्ग के लाखों मजदूरों एवं उनके परिवार के कल्याण के लिये कई योजनाओं का संचालन कर रहे हैं। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने ऐसी नीतियाँ बनाई हैं जिससे गरीब मजदूरों को आर्थिक मदद एवं सामाजिक सुरक्षा मिल सके। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिक एवं उनके

परिजन विकास की मुख्य धारा से जुड़कर देश और प्रदेश के विकास में सहभागी बनते हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि तीनों मण्डल इस बात को सुनिश्चित करें कि कोई श्रमिक परिवार सरकार की योजनाओं से वंचित न रहे। श्रम कल्याण मंडल की बैठक में संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिये संचालित अंतिम संस्कार सहायता एवं अनुग्रह सहायता योजना का लाभ पात्र श्रमिक के परिवारजनों को भी दिये जाने का निर्णय लिया गया। परिवार के सदस्यों में पति-पत्नी और बच्चों के अलावा माता-पिता को भी शामिल करने का मण्डल के सभी सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार श्रम कल्याण मंडल के अंतर्गत आने वाले दिव्यांग श्रमिकों को ई-ट्राईसाइकिल दिये जाने जाने का निर्णय लिया गया। देय श्रमिकों के अभिदाय दरों में वृद्धि पर मण्डल सदस्यों ने सहमति दी। संबल बोर्ड की बैठक में मंत्री श्री पटेल द्वारा अनुग्रह सहायता योजना के अंतर्गत हितलाभ वितरण को परिवार का संबल बताया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार की मंशा है कि श्रमिक परिवार को सरकार की सभी योजनाओं का पूरा लाभ समय पर मिले। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश में उद्योगपति और श्रमिक दोनों के बीच बेहतर समन्वय है। जो प्रदेश के आर्थिक विकास की नींव है। बैठक में संगठित और असंगठित क्षेत्र के लाखों श्रमिकों एवं निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिये कई नई योजनाओं के संचालन का निर्णय लिया।

समाधान दिवस में 500 से अधिक शिकायतों का हुआ निराकरण

जनपद मुख्यालयों में हुआ शिकायत निवारण के मेगा कैंप का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समाधान ऑनलाइन में चयनित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार बुधवार 16 अक्टूबर को समाधान दिवस के रूप में मनाया गया। निर्देशानुसार जिले के सभी जनपद मुख्यालयों में शिकायत निवारण के मेगा कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित समस्त विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में चिन्हित विषयों से संबंधित शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर तथा विभागीय समन्वय कर 512 शिकायतों को संतुष्टि के साथ निराकृत किया गया। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में 134, मझौली में 130, सिहावल में 114, सीधी में 99 तथा कुसमी में 35 शिकायतों को

निराकृत किया गया।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषय: आवास सहायता योजना की राशि प्राप्त न होना, निर्धारित दर से प्राप्त न होना आवास सहायता आदिम जाति कल्याण विभाग, छात्रावासों में आवास/ भोजन/ साफ सफाई आदि की सुविधा न होना/प्रवेश न मिलने/ अतिक्रमण/छात्रावास में अधीक्षक/ कर्मचारियों से संबंधी (अनुसूचित जाति कल्याण विभाग), जननी सुरक्षा योजना/ मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना (संबल) अंतर्गत पात्रता के अनुसार राशि प्राप्त न होने के संबंध में (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन), नवीन राशन कार्ड जारी करना (नया राशन कार्ड/ पात्रता पर्ची बनवाने के संबंध में) खाद्य आपूर्ति विभाग, नामांतरण संबंधी राजस्व मामले एवं बंटवारा संबंधी मामले (राजस्व विभाग), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) स्वीकृत आवास की राशि प्रदान करने के संबंध में (प्रधानमंत्री आवास योजना), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से संबंधित 01 जनवरी 2017 से प्रारम्भ (महिला एवं बाल विकास), पोस्ट मेट्रिक/ प्रवीण्य/विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति नहीं मिलने संबंधी (पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग), बिजली न आने/वोल्टेज से संबंधित (ऊर्जा विभाग), मध्यप्रदेश असंगठित शहरी/ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्डल संबल योजना से संबंधित (मध्यप्रदेश असंगठित शहरी, ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्ड संबल योजना-श्रम विभाग), विवेचना में विलंब व लापरवाही करना, समय से प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत नही करना, किसी पक्ष से मिलकर दबाव में सही कार्यवाही विवेचना न करना (पुलिस), शिष्यवृत्ति, छात्रवृत्ति प्राप्त न होना, विलंब से प्राप्त होना, निर्धारित दर से प्राप्त न होने संबंधी (अनुसूचित जाति कल्याण विभाग), समेकित छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत कक्षा 01 से 12 तक शिक्षनार्थियों के लिए छात्रवृत्ति न मिलने संबंधी (लोक शिक्षण) एवं 100 दिवस से लंबित समस्त शिकायतें समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में सम्मिलित हैं।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024 की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024 रीवा दिनांक 23 अक्टूबर 2024 की तैयारियों के संबंध में बैठक ली गई। बैठक में जिले के उद्योगपतियों एवं निवेशकों से उनकी समस्याओं एवं सुझावों के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव रीवा में सभी उद्योगपतियों एवं निवेशकों को बढ़ चढ़ कर सहभागिता हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास एवं नोडल अधिकारी निवेश प्रोत्साहन केंद्र नीलेश शर्मा, महाप्रबंधक एमपीआईडीसी आर के सिंह, प्रभारी महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र श्रद्धा गोखले एवं जिले के प्रमुख उद्योगपति एवं निवेशक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सरपंच संघ की बैठक मे लिया गया आंदोलन का निर्णय

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। राष्ट्रीय सरपंच संघ जिला रीवा के कार्यकारिणी एवं ब्लॉक अध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारियों की विशेष बैठक जिला अध्यक्ष सुरेश सिंह सरपंच माडौ के अयोजकत्व व सरपंच संघ के प्रदेश संरक्षक व संभाग प्रभारी चक्रधर सिंह की विशेष उपस्थित मे बन्ना आवास परिसर बोदाबाग रीवा मे पूर्व निर्धारित समय अनुसार एक बजे से आयोजित की गयी। कार्यक्रम की शुरुआत मे सर्वप्रथम गाँधी जी के छायाचित्र पर अतिथियों द्वारा पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात चुने गये पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। जिला अध्यक्ष सुरेश सिंह द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों एवं अतिथियों का स्वागत कर परिचय कराया गया। तथा सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह द्वारा निर्देश पत्र के बारे मे जानकारी देते हुये बताया कि आगामी 18 अक्टूबर को प्रदेश भर के ब्लॉक मुख्यालयों मे संघ द्वारा सुबह 10 बजे चक्काजाम कर सरपंचो के हक अधिकार सम्बंधी ज्ञापन एसडीएम तहसीलदार को सौप कर पावती प्राप्त कर संघ को प्रेषित की जायेगी। सरपंच संघ के प्रदेश संरक्षक चक्रधर सिंह ने अपने उद्बोधन मे कहा की जनता की स्थानीय प्रशासनिक इकाई ग्राम पंचायत को कमजोर किया जा रहा है। पंचायतों के अधिकारों का हनन करके गांधी जी के ग्राम स्वराज के सपने को धूमिल किया जा रहा है। उन्होंने सरपंच व जनप्रतिनिधियों को अपने अधिकारों एवं जनता की इस महत्वपूर्ण प्रशासनिक इकाई के रक्षा के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा की हमारे सभी साथी सक्षम हैं, और अपने ब्लॉक अध्यक्षों के साथ 18 अक्टुबर के आंदोलन को सफल बनाये। कार्यक्रम का संचालन अनुपम अनूप द्वारा किया गया। वही आभार प्रदर्शन वरिष्ठ अधिवक्ता केपी सिंह जी ने किया कार्यक्रम में समस्त जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारी ने अपने विचार रख संघ की गतिविधियों के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित सिंह "मोहित" जिला सचिव खैरहन सरपंच रजनीश कुशवाहा, जवा ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप सिंह, सिरमौर ब्लॉक अध्यक्ष प्रशांत गर्ग, गंगेव ब्लॉक अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह, रायपुर कर्चुलियान के ब्लॉक अध्यक्ष रामभुवन तिवारी, सरपंच उपराज सिंह, दिनेश सिंह, श्रीनाथ मिश्रा, संतोष कोल, दीनानाथ पटेल, अशोक तिवारी, दानवीर सिंह, राजीव दुबे, राघवेंद्र तिवारी, शिवेंद्र साहू, लक्ष्मीकांत तिवारी, मानवती चतुर्वेदी सहित जिले के सरपंच स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुये।

बाइक रैलिंग से टकराई, एक की मौत

रिश्तेदार के यहां कार्यक्रम में शामिल होने आए थे, शहडोल में जैतपुर के पास हादसा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल में जैतपुर के करियाधार नाले के पास तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे लगी रैलिंग से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं, पीछे बैठा युवक घायल हो गया। घटना मंगलवार-बुधवार दरमियानी रात की है। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया।

बताया गया कि बाइक से दो युवक जैतपुर में रहने वाले रिश्तेदार के यहां शामिल होने आए थे। कार्यक्रम में शामिल होकर दोनों बाइक में सवार होकर छत्तीसगढ़ के जनकपुर स्थित घर जा रहे थे। बाइक को नीरज सिंह कवर (22) चला रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित

होकर रैलिंग से टकरा गई। हादसे में सिर में गंभीर चोट लगने से नीरज की मौके पर मौत हो गई, जबकि मनोज सिंह घायल हो गया।

थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड़ ने बताया कि बाइक तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित हो गई। परिजनों को जानकारी दे दी गई है। शव का पीएम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव की धूम

श्री प्राणनाथ जी की शोभा यात्रा निकाली गई, देश विदेश से आए सुंदर साथ हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पद्मावतीपुरी धाम पन्ना में इनदिनों अंतरराष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव की धूम है। इसी कड़ी में मगंलवार शाम खेजड़ा मंदिर से श्री प्राणनाथ जी की शोभायात्रा निकाली गई, जो करीब रात्रि 12 बजे नगर भ्रमण के बाद प्राणनाथ मंदिर पहुंची। इस दौरान देश विदेश से लाखों सुंदरसाथ श्रीजी की भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए।

पन्ना में दस दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन: पन्ना में हर साल अंतरराष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव का दस दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होता है। यह कार्यक्रम

दशहरा से शुरू होकर पंचमी तक चलता है। जिसमें शामिल होने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पन्ना पहुंचते है। इस महोत्सव में श्री प्राणनाथ जी शोभायात्रा और सवारी का कार्यक्रम प्रमुख होता है। इस शोभा यात्रा में स–ुरु के प्रति आदर, सम्मान को प्रकट करने श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं।

मिट्टी के अवैध खनन का विरोध

वाहन जाने के बाद पहुंची पुलिस, युवा कांग्रेस ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। जैतपुर थाना क्षेत्र के चौकी झींक बिजुरी के गोशाला के पास दिनदहाड़े जेसीबी लगाकर ट्रैक्टर ट्राली से मिट्टी का अवैध खनन कर परिवहन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चौकी प्रभारी की सह पर यह काला कारोबार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इस मामले की शिकायत बुधवार को जैतपुर थाना प्रभारी से ग्रामीणों ने की। पुलिस ने जब वहां टीम भेजी तब तक सभी वाहन मौके से जा चुके थे।

ग्रामीणों ने झींक बिजुरी के गोशाला के समीप मिट्टी का अवैध खनन के बारे में सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया। जिसके बाद युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अनुपम गौतम ने कहा कि पुलिस की सह पर यह काला कारोबार किया जा रहा है, जिसका युवा कांग्रेस विरोध करती है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में सड़क निर्माण हो रहा है। जिसके लिए स्थानीय लोग गोशाला के पास जेसीबी लगाकर दिनदहाड़े ट्रैक्टर ट्राली से मिट्टी का खनन कर परिवहन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी चौकी प्रभारी एवं खनिज विभाग को दी लेकिन कार्रवाई नहीं की गई।

जैतपुर थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड़ ने कहा कि चौकी मेरे थाने अंतर्गत आती है। मुझे सूचना जब मिली थी तब मैंने चौकी प्रभारी को मौके पर भेजा था, लेकिन कोई वाहन मौके पर मिला नहीं।

फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सुपर सीडर से करें बुवाई

कृषकों को अनुदान पर कृषि यंत्र सुपर सीडर की है उपलब्धता

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले में मुख्य रूप से धान एवं गेहूँ की फसल कृषकों द्वारा ली जाती है। इन फसलों की कटाई के पश्चात् कृषक फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं, जिससे खेत की उर्वरता प्रभावित होती है तथा पर्यावरण को भी नुकसान होता है। साथ ही आग लगने का भी खतरा बना रहता है। सहायक कृषि यंत्री ने इन समस्याओं के समाधान हेतु कृषकों को आधुनिक कृषि यंत्र सुपर सीडर के उपयोग की सलाह दी है।

सुपर सीडर:- कम्बाईन हार्वेस्टर से अधिक ऊँचाई पर फसल की कटाई उपरांत इस यंत्र से तत्काल बिना जुताई अगली फसल की बुवाई की जा सकती है। पूर्व फसल के अवशिष्टों की मल्चिंग कर मृदा सुधार का कार्य करता है।

फसल अवशिष्टों को जलाने की कुप्रथा को हतोत्साहित कर पर्यावरण संरक्षण और संरक्षित कृषि को प्रोत्साहन मिलता है। संरक्षित कृषि पद्धति के कारण समय, परिश्रम,

लागत और सिंचाई जल में उल्लेखनीय बचत के साथ उत्पादन की मात्रा और गुणवत्ता में वृद्धि होती है। इस यंत्र के उपयोग से खरपतवारों के अंकुरण पर प्रभावी नियंत्रण होता है तथा विलंबित खरीफ की स्थिति होने पर रबी फसलों की यथा समय बुवाई संभव है।

उक्त यंत्र कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय म.प्र. द्वारा मॉग अनुसार श्रेणी अंतर्गत अनुदान पर उपलब्ध है, जिसमें ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल अंतर्गत आवेदन करने पर कृषकों को अनुदान पर कृषि यंत्र सुपर सीडर उपलब्ध कराया जायेगा।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय सहायक कृषि यंत्री, कृषि अभियांत्रिकी, सीधी में कृषक संपर्क कर सकते हैं। आवेदन हेतु कृषकों को आधार कार्ड, खतौनी, बैंक पास बुक, ट्रैक्टर रजिस्टेशन, अनु.जा. एवं अनु.ज.जा. कृषकों हेतु जाति प्रमाण पत्र एवं 05 हजार रूपये की धरोहर राशि सहायक कृषि यंत्री सीधी के नाम से बनवाकर अधिकृत विक्रेता अथवा कॉमन सर्विस सेंटर (एमपी ऑनलाइन) के माध्यम से ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर उक्त यंत्र पर अनुदान का लाभ ले सकते हैं।

पति-पत्नी के विवाद में घर में लगाई आग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल जिले के ब्यौहारी के घोरसा गांव में मामूली बात को लेकर पति-पत्नी का विवाद हो गया। पति शराब के नशे में था, नाराज होकर उसने घर में आग लगा दी। गृहस्थी के समान को इकट्ठा कर उसने जला दिया, जिसमें कीमती जेवरात भी शामिल था। हालांकि घर के अंदर रखा गैस सिलेंडर खाली था, जिससे बड़ी घटना होने से बच गई। घटना के बाद बुधवार सुबह पत्नी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पति वहां से फरार हो गया था।

जहिर आम सूचना

यह कि अजय कुमार मिश्रा तनय श्री सुरेन्द्र नरायन मिश्रा निवासी दसपुरवा, तहसील मनगवां, जिला रीवा म.प्र. के द्वारा भूमि खसरा नं. 2/1/101/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकवा 7.188 हे. मे से 25×55=1375 वर्गफिट मौजा करही, पटवारी हल्का बोदा, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म0प्र0) के भूमि के वर्तमान मूल हक विलेख को विकय/बंधक/ निच्छेप कर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है जिस भूमि के पूर्व भूमिस्वामी खुशलानी ब्रदर्स संयुक्त हिन्दू परिवार कर्ता खानदान द्वारा अधिकृत प्रहलाद सिंह निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी बोदाबाग, तहसील हुजूर, जिला रीवा म0प्र0 हैं जो उक्त भूमि को अजय कुमार मिश्रा तनय श्री सुरेन्द्र नरायन मिश्रा के द्वारा कय किया जा रहा है।

इस बावत आम जन व्यक्त निकाय को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि जिस किसी भी व्यक्ति व निकाय, संस्था को कोई उक्त भूमि खसरा नं. 2/1/101/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकवा 7.188 हे. में से 25×55=1375 वर्गफिट मौजा करही, पटवारी हल्का बोदा, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म0प्र0) के सम्बंध मे कोई आपत्ति या किसी प्रकार का कोई हित–निहित हो तो इस सूचना के प्रकाषन के 7 दिवस के अन्दर मेरे पक्षकार आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड रीवा में या मेरे कार्यालय चे. नं. 12 जिला न्यायालय के पीछे रीवा मो.नं. 8435691666 में कार्यालयीन समय 11 से 05 बजे के मध्य दिन को मय दस्तावेज सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मुद्दत मेरा पक्षकार उक्त सम्पत्ति को पाक साफ मानते हुए वर्तमान स्वामी के नाम का मूल हक विलेख को निक्षेप कर / बंधक कर ऋण प्रदान करेगा व कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार के ऊपर बंधनकारी नही होगी।

भवदीय
सुनील कुमार मिश्र
एडवोकेट
चें. नं.12, नवीन अधिवक्ता भवन जिला न्यायालय रीवा म.प्र.

जिले में 24 घंटे से आमरण अनशन जारी

कोतमा जनपद पंचायत के प्रभारी सीईओ और लेखपाल को हटाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर जिले के कोतमा जनपद पंचायत के प्रभारी सीईओ लाल बहादुर वर्मा और लेखापाल (अकाउंटेंट) विष्णु गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जनपद पंचायत के ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, 9 सदस्य और 9 सरपंच अनिश्चित काल के लिए आमरण अनशन पर बैठे हैं। लगभग 24 घंटे से लगातार आमरण अनशन कर रहे हैं।

एसडीएम ने जांच का दिया आश्वासन: आमरण अनशन को खत्म कराने के लिए एसडीएम कोतमा अजीत तिर्की पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रभारी सीईओ लाल बहादुर वर्मा और लेखपाल दोनों के खिलाफ जांच की जाएगी। इसके बाद दोनों को ही हटाया जाएगा। हालांकि आमरण अनशन में बैठे लोगों ने जांच कमेटी बनाई जाने की मांग की है।

लोगों को कहना है कि जांच

कमेटी दोनों को निलंबित करें और इसकी विस्तृत जांच करें। जब तक दोनों को नहीं हटाया जाता, हम आमरण अनशन पर ही रहेंगे। उनका यह भी आरोप है एक शिक्षक सीईओ बनाए गए है, जो नियम विरूद्ध है।

जनपद अध्यक्ष जीवन सिंह ने कहा कि सीईओ और लेखपाल के तानाशाह रवैये, बजट पर मनमानी और विकास कार्यों की अनदेखी के कारण यह स्थिति बनी है। जब तक दोनों को हटाया नहीं जाएगा, तब तक हम यहां से नहीं हटेंगे। 2015-16 से 2022-23 तक के सभी रिकॉर्ड जब्त कर जांच कराई जाए। दोनों ने जपं के बिना प्रस्ताव के ही नियम विरुद्ध कुर्सी, टेबल, पंखे, कूलर खरीदकर भ्रष्टाचार किया है।

कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली ने बताया कि दोनों के खिलाफ पहले भी शिकायत मिली थी। शिकायत मिलने के बाद दोनों के खिलाफ जांच चल रही है। जांच रिपोर्ट के बाद ही दोनों को हटाया जाएगा।

महिलाओं ने मनचले को चप्पल से पीटा

सीधी कन्या विद्यालय के सामने छेड़छाड़ कर रहा था, बाइक भी फोड़ी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के सेमरिया पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर कन्या विद्यालय के सामने दो महिलाओं ने युवक की चप्पल से पिटाई की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें बीच बाजार में दो महिलाएं एक व्यक्ति को चप्पलों से मार रही है। इस दौरान दोनों के बीच गाली-गलौज भी हुई। मामला 5 दिन पुराना है, जिसका वीडियो आज बुधवार को वायरल हुआ है।

युवक ने महिलाओं के साथ की थी अभद्रता: बीते शनिवार लाला आदिवासी अपने घर तेंदुआ की तरफ जा रहा था। बाजार में उसकी टक्कर दो बाइक सवार युवक से हुई। इसके बाद सनी गुप्ता और राहुल गुप्ता ने लाला आदिवासी को जमकर पीटा। उसकी बाइक के साथ तोड़-फोड़ करने लगे।

झगड़ा करने के बाद दोनों

लड़के ऑटो में बैठी महिला से अभद्रता करने लगे। जिसके बाद महिलाओं ने ऑटो से उतरकर उस व्यक्ति की चप्पल से पिटाई कर दी।

चौकी प्रभारी सेमरिया विकास सिंह गहरवार ने बताया कि महिलाओं ने शिकायत की थी युवक ने मेरे पति जो ऑटो चला रहे थे, उनके साथ गाली-गलौज की थी। वह उन्हें मारने की धमकी दे रहे थे। इसके बाद महिलाओं ने उसे व्यक्ति को चप्पल से पीटा था। इसके बाद 14 अक्टूबर को मारपीट सहित अन्य बीएनएसएस की धारा में उन्हें जेल भेज दिया गया है। दोनों आरोपियों का नाम राहुल गुप्ता और सनी गुप्ता है।

विचार

भारत के लिए आगे बढने की संभावनाएं खुली

पेरिस पैरालम्पिक्स में कुल 23 खेल शामिल हुए। भारत ने अपने सभी पद सिर्फ पांच खेलों- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शूटिंग, तीरंदाजी और जूडो से जुटाए। जाहिर है, भारत के लिए आगे बढने की संभावनाएं खुली हुई हैं। 2008 के बीजिंग पैरालम्पिक्स में भारत ने सिर्फ पांच खिलाड़ी भेजे थे। लेकिन तब से कारवां आगे बढ़ा है।

पेरिस में रविवार को खत्म हुए पैरालम्पिक खेलों में इस बार भारत ने रिकॉर्ड कामयाबी हासिल की। सात स्वर्ण, नौ रजत, और 13 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में भारत 18वें नंबर पर रहा। यह पहला मौका है, जब इन खेलों में भारतीय दल ने 29 पदक जीते हैं। और चूंकि पैरालम्पिक खेलों में भारत लगातार प्रगति कर रहा है, तो यह उम्मीद बांधी जा सकती है कि अगले खेलों में भारत सफलता की और सीढियां चढ़ेगा।

पेरिस पैरालम्पिक्स में कुल 23 खेल शामिल हुए। भारत ने अपने सभी पद सिर्फ पांच खेलों- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शूटिंग, तीरंदाजी और जूडो से जुटाए। जाहिर है, भारत के लिए आगे बढने की संभावनाएं खुली हुई हैं। 2008 के बीजिंग पैरालम्पिक्स में भारत ने सिर्फ पांच खिलाड़ी भेजे थे। लेकिन तब से कारवां आगे बढ़ा है। 2016 के रियो द जनेरो पैरालम्पिक्स में भारत चार मेडल जीत कर 43वें स्थान पर रहा था। 2020 के टोक्यो पैरालम्पिक्स में भारत ने 19 मेडल जीते और 24वें नंबर पर रहा।

भारत की ये सफलताएं देश में विकलांग व्यक्तियों के प्रति बदलती सोच का संकेत है। देश के एक बड़े जनमत में यह भाव उतरा है कि विकलांगता का मतलब जीवन का बेमतलब होना नहीं है। विकलांगता किसी एक अंग की होती है, जिससे व्यक्ति की बाकी क्षमताएं एवं प्रतिभा अप्रभावित रहती है। आवश्यकता उसे उचित वातावरण उपलब्ध कराने की होती है।

यह अच्छी बात है कि भारत सरकार ने विकलांग खिलाडियों को बढ़ावा देने के लिए अधिक धन उपलब्ध कराया है। उनकी ट्रेनिंग और खेल प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उपाय किए गए हैं। यह सब पर्याप्त नहीं है, लेकिन जो हुआ है, उसे एक प्रगति माना जाएगा।

पैरालम्पिक जैसे आयोजनों की तुलना ओलिंपिक्स से करना निरर्थक है। ओलिंपिक्स में वे खिलाड़ी भाग लेते हैं, जिनसे तमाम उम्मीदें रहती हैं। जबकि विकलांग व्यक्ति से समाज तो दूर, परिजन भी कोई आशा नहीं रखते। ऐसे खिलाड़ी तमाम प्रतिकूल चुनौतियों का मुकाबला करते हुए आगे बढ़ते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि हर विकलांग खिलाड़ी के पीछे एक पूरी कहानी होती है। यह कहानी संघर्ष, जीवट और जज्बे की होती है।

किसी समाज को मापने का एक सटीक पैमाना यह है कि वह अपनी कमजोर इकाइयों से कैसा व्यवहार करता है। विकलांगता से ज्यादा बड़ी कुदरती कमजोरी कोई और नहीं हो सकती। इसके अलावा अन्य सभी कमजोरियों का आधार सामाजिक व्यवस्था है। देखा यह गया है कि जब व्यवस्था के केंद्र में हर तबके और हर व्यक्ति के विकास को केंद्र में रखा जाता है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार, सख्त कार्रवाई की दरकार

ललित गर्ग

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंयकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडबनापूर्ण है।

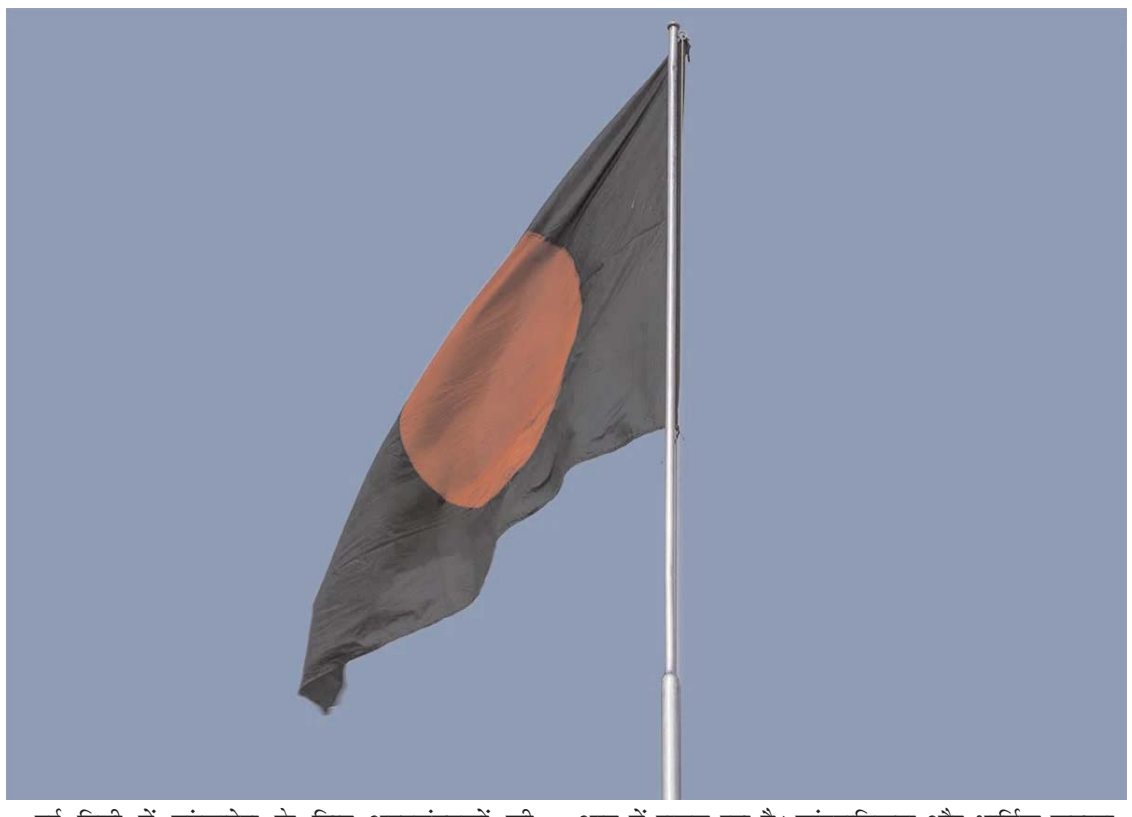

नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें। बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है। भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है। बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ''भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है। वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू-भाग को रवींद्रनाथ टैगोर 'आमार सोनार बांग्ला' (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ-व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत-विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है।

बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है। हिन्दू धर्म भारत की संस्कृति एवं आत्मा है। हिन्दू धर्म संयम, त्याग और बलिदान का धर्म है। इसमें हमेशा दूसरे धर्मों को सम्मान देने का काम किया है। हिन्दू धर्म उदारता, प्रेम, आपसी सद्भाव और सहनशीलता पर आधारित धर्म है। हिन्दू धर्म की सहिष्णुता को कमजोर मानकर हिन्दू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य लगातार होता रहा है। वैसे तो प्रत्येक धर्म की अपनी मान्यताएं होती हैं, किन्तु विकृत मानसिकता वाले लोगों ने हिन्दू धर्म को मध्यकाल से ही नीचा दिखाने की कोशिशें कीं। भारत पर लगातार आक्रांताओं के हमले होते रहे और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया। हिन्दुओं के लाखों मंदिर तोड़े गए। हिन्दुओं से अपने ही देश में हिन्दू होने पर 'जजिया' यानि कर लगाया गया। पूर्व की सरकारों ने भी वोट की राजनीति के चलते हिन्दुओं को दोयम दर्जा पर रखा। फिर भी हिन्दू धर्म ने उदारता और सहनशीलता को नहीं छोड़ा। अगर हिन्दू कट्टर होता तो अन्य धर्मों के लोग भारत में नहीं दिखते। देश बंटवारे के समय पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से ज्यादा हिन्दू थे लेकिन आज उनकी आबादी 2 प्रतिशत भी नहीं रही और भारत में मुसलमानों की आबादी 2 प्रतिशत से 20 प्रतिशत नहीं होती। यह हिन्दू उदारता का ही परिणाम है। लेकिन प्रश्न है कि आखिर कब तक हिन्दू ऐसी अग्नि परीक्षा देता रहेगा? कब तक हिन्दू की सहिष्णुता को कमजोरी मानकर उन पर अत्याचार होते रहेंगे? कब तक हिन्दू शक्तिसम्पन्न होकर भी निर्बल बना रहेगा? इन सवालों के जबाव तलाशने होंगे वर्ना हिन्दुओं को अस्तित्वहीन करने की कोशिशें कामयाब होती रहेगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षीय यात्रा पर एक नजर

विजय कुमार

2025 की विजयादशमी पर संघ सौवें वर्ष में पहुंच रहा है। ऐसे में इस यात्रा के कुछ पड़ावों पर नजर डालना उचित होगा। डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। यद्यपि अन्य बहुत कुछ भी शीर्ष नेतृत्व के मन में था। दत्तोपंत ठेंगड़ी इसे %प्रोगेसिव अनफोल्डमेंट% कहते थे। इसके बल पर ही संघ ने हर संकट को झेला। इस पहले दौर में स्वयंसेवकों ने कई संस्थाएं बनायीं। इनमें राष्ट्र सेविका समिति (1936), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (1949), वनवासी कल्याण आश्रम (1952), भारतीय मजदूर संघ (1955), विश्व हिन्दू परिषद (1964), भारतीय जनसंघ/भारतीय जनता पार्टी (1951), सरस्वती शिशु मंदिर/विद्या भारती (1952) आदि प्रमुख हैं। यद्यपि इनके संविधान, कोष, पदाधिकारी, कार्यक्रम आदि अलग हैंय पर प्रेरणा संघ की ही है।

संघ पर प्रतिबंध: संघ पर 1932 और 1940 में शासन ने आंशिक प्रतिबंध लगायेय पर वे ज्यादा नहीं चले। 1948 में गांधी जी की हत्या के बाद फिर प्रतिबंध लगा। तब शासन, प्रशासन और जनता संघ के विरोध में थी। प्रचार माध्यम सरकार के पास थे। संघ के पास अपनी बात कहने का कोई साधन नहीं था। फिर भी संघ ने सत्याग्रह से सरकार को झुका दिया।

पर फिर शाखा के साथ ही समविचारी संगठनों का विस्तार और प्रभाव बढ़ने लगा। इसीलिए जब 1975 में इंदिरा गांधी ने संघ पर प्रतिबंध लगाया, तो जनता संघ के साथ रही। संघ ने फिर सत्याग्रह किया। जनता डर से चुप थी, पर चुनाव में उसका आक्रोश फूट पड़ा और इंदिरा गांधी हार गयी। यह संगठन के बल पर ही हुआ। समाज में बढ़ती स्वीकार्यता का लाभ उठाकर संघ ने संगठन को फैलाया तथा स्वयंसेवकों ने अनेक नयी संस्थाएं बनायीं। 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद सरकार ने फिर प्रतिबंध लगाया, जिसे न्यायालय ने ही खारिज कर दिया। 1975 और 1992 के प्रतिबंध से संघ के संगठन और प्रभाव में वृद्धि हुई।

उसका नाम दुनिया भर में फैल गया।

1977 के बाद: इसे हम दूसरा 50 वर्षीय कालखंड कह सकते हैं। संघ ने अनुभव किया कि हमारा काम समाज के निर्धन वर्ग में नहीं है। इनकी पहली जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान है। इस कारण लोग धर्मांतरण भी कर लेते हैं। मीनाक्षीपुरम् कांड इसका उदाहरण था। अत: सेवा के क्षेत्र में प्रवेश किया गया। 1989 में डा. हेडगेवार की जन्मशती पर %सेवा निधि% एकत्र कर हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनाये गये। निर्धन बस्तियों को %सेवा बस्ती% कहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हजारों छोटे प्रकल्प शुरू किये। अब इनकी संख्या डेढ़ लाख से भी अधिक है। अब सैकड़ों बड़े प्रकल्प भी हैं, पर मुख्य ध्यान छोटी इकाइयों पर ही है। केवल संघ ही नहीं, तो सभी समविचारी संस्थाएं सेवा कार्य कर रही हैं। यहां से पुरुष और महिला कार्यकर्ता भी आगे आ रहे हैं।

कुछ चुनौतियां: 1947 में देश विभाजन एक बड़ी चुनौती थी। इस दौरान पंजाब और सिंध में संघ ने सीमित शक्ति के बावजूद लाखों हिन्दुओं की रक्षा की, महिलाओं की लाज बचाई और उनका पुनर्स्थापन किया। बंगाल में शक्ति कम होने से यह प्रभावी ढंग से नहीं हो सका।

1950 में प्रतिबंध हटने पर कुछ लोगों का विचार था कि निर्दोष होते हुए भी संसद या किसी विधानसभा में कोई हमारे पक्ष में नहीं बोला। अत: हमें शाखा छोड़कर केवल राजनीति करनी चाहिएय पर सरसंघचालक श्री गुरुजी नहीं माने। उन्होंने कहा कि राजनीति जरूरी होते हुए भी सब कुछ नहीं है। इससे कई बड़े लोग नाराज हो गये। यद्यपि संघ ने फिर राजनीति में भी कई लोगों को भेजा, पार्टी भी बनायी, पर राजनेताओं और दलों का जो हाल है, उससे श्री गुरुजी की बात प्रमाणित हो रही है।

संगठन होने के कारण संघ तथा संघ प्रेरित संस्थाएं लगातार नयी टीम बनाकर पुरानों के संरक्षण में उन्हें पदस्थापित करते रहते हैं, पर 1968 में भारतीय जनसंघ को एक झटका लगा। दीनदयाल जी का निधन हो चुका था। जनसंघ वाले अटल बिहारी वाजपेयी को आगे लाना चाहते थे। इससे रुष्ट होकर बलराज मधोक ने पार्टी छोड़ दी, पर जल्दी ही वे समझ गये कि कुछ लोग कुछ समय के लिए कोई संस्था तो चला सकते हैं, पर संगठन नहीं। अत: वे शांत होकर फिर संघ के कार्यक्रमों में आने लगे। यद्यपि उनके अलगाव से श्री गुरुजी सहित सब स्वयंसेवकों को दुख हुआ, पर संघ में व्यक्ति नहीं, संगठन महत्वपूर्ण है। ऐसी ही एक चुनौती 2018 में विश्व हिन्दू परिषद में आयी। एक प्रभावी नेता ने अपनी नयी संस्था बना ली। यहां भी टकराव व्यक्ति और संगठन में ही था। आशा है वे भी शीघ्र ही मुख्य धारा में लौट आएंगे।

अब आगे की ओर: कभी %संगठन के लिए संगठन% की बात कही जाती थी, पर 50 साल संगठन और 50 साल विस्तार के बाद अब संघ समाज परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। जहां संघ का काम पुराना है, वहां परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, सामाजिक समरसता, एक मंदिर, एक शमशान, एक जलस्रोत, नागरिक कानूनों के पालन आदि का आग्रह किया जा रहा है। संघ के प्रयास से इस दिशा में भी नि:संदेह सुधार होगा। समाज में हजारों संस्थाएं और लोग अच्छे काम कर रहे हैं।

करोड़ों की सरकारी-जमीन 54 टुकड़ों में बेची, एफआईआर

2 डिप्टी रजिस्ट्रार ने की नजूल की जमीन की रजिस्ट्री, निलंबन की अनुशंसा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में सरकारी जमीन की हेराफेरी कर बंदरबाट मामले में जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। आवासीय उपयोग के लिए करोड़ों रुपए कीमती नजूल भूमि को लीज धारक ने बिल्डर के साथ मिलकर 54 टुकड़ों में बेच दिया। सरकारी नियमों को दरकिनार कर रजिस्ट्री कार्यालय के दो डिप्टी रजिस्ट्रार ने जमीन की रजिस्ट्री भी कर दी। जांच में गड़बड़ी सामने आने पर अब नजूल विभाग की तहसीलदार ने लीजधारक और बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। वहीं, कलेक्टर ने दोनों तत्कालीन डिप्टी रजिस्ट्रार लक्ष्मी पांडेय और वीएस मिंज को निलंबित करने अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की अनुशंसा की है।

2 एकड़ 13 डिसमिल नजूल की जमीन की हेराफेरी: दरअसल, सिविल लाइन क्षेत्र के चांटापारा निवासी भूपेंद्र राव तामस्कर पिता स्वर्गीय कृष्ण राव तामस्कर शहर के बीच स्थित कुदुदंड में 2 एकड़ 13 डिसमिल नजूल की जमीन को लीज पर लिया था। साल 2015 में लीज की अवधि खत्म होने पर आवेदन पेश कर 30 साल यानी मार्च 2045 तक बढ़वा दिया। आवासीय उपयोग के लिए नजूल की जमीन को लीज पर दी गई थी, लेकिन भूपेंद्र राव ने नगर निगम की अनुमति के बिना और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से ले-आउट पास कराए बगैर ही जमीन को 54 टुकड़ों में अलग-अलग लोगों को बेच दिया। खास बात यह है कि पंजीयन कार्यालय के 2 डिप्टी रजिस्ट्रार ने सरकारी जमीन की रजिस्ट्री भी कर दी।

कलेक्टर ने कराई जांच, गड़बड़ी सामने आने पर एफआईआर कराने दिए निर्देश: नजूल की करोड़ों की जमीन बेचने का मामला सामने आने के बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने जांच के लिए कमेटी बनाई। इसमें संयुक्त कलेक्टर मनीष साहू की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय टीम ने इसकी जांच की।

जांच रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए, जिसके बाद कलेक्टर ने इस मामले में धोखाधड़ी करने वाले लीज धारक भूपेंद्र राव तामस्कर और बिल्डर राजेश अग्रवाल पर केस दर्ज कराने के निर्देश दिए।

पुलिस की जांच में सामने आएंगे कई आरोपी: कलेक्टर अवनीश शरण ने जांच रिपोर्ट के आधार पर नजूल अधिकारी को पत्र लिखकर नामांतरण पुनर्विलोकन करने से लेकर निरस्त करने के साथ ही रजिस्ट्री शून्य कराने के लिए आदेशित किया है। कलेक्टर ने नगर निगम को भी पत्र लिखकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही पंजीयन विभाग को पत्र लिखकर उक्त जमीन का पंजीयन करने वाले तत्कालीन पंजीयक व उप पंजीयक की जानकारी लेकर लक्ष्मी पांडेय और वीएस मिंज के निलंबन और अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा गया है।

कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को नजूल तहसीलदार शिल्पा भगत सिविल लाइन थाने पहुंची, जहां उन्होंने आवासीय प्रयोजन के लिए नजूल भूमि की लीज लेकर इसे टुकड़े में बेचने वाले भू-स्वामी भूपेंद्र राव तामस्कर और बिल्डर राजेश अग्रवाल के खिलाफ केस दर्ज कराया है। इस केस में पुलिस की जांच के दौरान करोड़ों रुपए की जमीन हेराफेरी करने वाले अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया जाएगा।

470 छात्राएं टीन छत के नीचे बैठकर पढ़ाई करने को हैं मजबूर

मीडिया ऑडीटर, जनकपुर निप्र। एमसीबी जिले के भरतपुर में सरकारी स्कूल की हालत बेहद खराब है ।470 छात्राओं वाले इस कन्या स्कूल में पढ़ने के लिए कमरे नहीं है। सरकार ने सात साल पहले 31, लाख रुपये स्वीकृत दी थी ,लेकिन सात सालों में भी इस स्कूल का भवन नहीं बन सका है।स्कूल में 470 छात्राएं, लेकिन पढ़ने के लिए भवन नहीं, छत्तीसगढ़ के इस कन्या शाला का निर्माण 7 साल में भी अधूरा, स्कूल में 470 छात्राएं,लेकिन पढ़ने के लिए भवन नहीं, छत्तीसगढ़ के इस कन्या शाला का निर्माण 7 साल में भी अधूरा एमसीबी जिले के भरतपुर में सरकारी स्कूल की हालत बेहद खराब है। 470 छात्राओं वाले इस कन्या शाला में पढ़ने के लिए कमरे नहीं है सरकार ने सात साल पहले 31 लाख रुपये स्वीकृत दी थी, लेकिन सात सालों में भी इस स्कूल का भवन नहीं बन सका है।

स्कूलों में भवन की कमी है तो कई में भवन का निर्माण कार्य अधर में पड़ा हुआ है। ताजा मामला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का है, जहां के जनकपुर में संचालित कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल का भवन पिछले सात सालों में भी नहीं बन पाया है. दरअसल, छात्राओं को पढ़ाई में सहूलियत के लिए शासन ने साल 2017 में करीब 31 लाख रुपये के नए भवन की मंजूरी दी थी. निर्माण कार्य शुरू हुआ, लेकिन आज 7 साल बाद भी पूरा नहीं हो सका है। अब नए शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद भी उसी पुराने टीन वाले भवन में छात्राएं पढ़ाई करने को मजबूर हैं। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि कन्या शाला के प्राचार्य से बात की गई है पूरा दस्तावेज लेकर बुलाया गया है। कार्रवाई करते हुए भवन निर्माण का कार्य पूरा किया जाएगा वही निर्माण एजेंसी को भी नोटिस भेजी जाएगी। बरहाल देखने वाली बात यह होगी कि कब तक स्कूल का भवन बन पाता है। और छात्राएं उस भवन में बैठकर अपनी पढ़ाई कर पाती हैं।

आदिवासी परिवारों की आय वृद्धि और पोषण सुधार हेतु चिराग परियोजना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई चिराग परियोजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के ग्रामीण आदिवासी परिवारों की आय बढ़ाना और पूरे साल पोषित आहार की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस परियोजना को छत्तीसगढ़ के कृषि विभाग ने वर्ल्ड बैंक और आईएफएडी (अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष) के सहयोग से आरंभ किया है। यह परियोजना स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के विकास और उनके कुशल उपयोग पर आधारित है। चिराग परियोजना का लक्ष्य छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाना और पोषण में सुधार करना है। इसके अंतर्गत 15 जिलों के 27 विकासखंडों के चिन्हित गांवों में आय और पोषण के अवसरों में सुधार लाने के लिए कार्य किया जा रहा है। परियोजना के तहत पोषण आधारित गतिविधियों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने के लिए "पोषण सखी" के रूप में स्थानीय महिलाओं का चयन किया गया है।

16 अक्टूबर 2024 बुधवार को विकासखंड भरतपुर के जनपद पंचायत के सभा कक्ष में पोषण सखी के रूप में चयनित महिलाओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चिराग परियोजना के राज्य कार्यालय से जगजीत मिंज ने पोषण सखियों को चिराग परियोजना, संतुलित आहार और कुपोषण से निपटने के उपायों की जानकारी दी।

इस आयोजन ने ग्रामीण आदिवासी महिलाओं को सशक्त किया और उन्हें पोषण एवं कृषि के महत्वपूर्ण पहलुओं से जोड़ा। यह उन्हें अपने गांवों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है। चिराग परियोजना के तहत यह प्रशिक्षण न केवल महिलाओं को सशक्त बना रहा है, बल्कि आदिवासी समुदायों में स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कर्मचारियों को बिना काम किए मिलेगी 150 दिन की सैलरी

2025 के लिए छुट्टियों का ऐलान, अप्रैल में लगातार 5 दिन अवकाश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने नए साल यानी 2025 के लिए छुट्टियों की घोषणा कर दी है। इनमें 25 सामान्य और 55 ऐच्छिक अवकाश (ऑप्शनल लीव) शामिल हैं। सरकारी कर्मचारियों को बिना काम 150 से अधिक दिनों का वेतन मिलेगा।

365 में से करीब 200 दिन ही काम करने होंगे। इनमें कर्मचारियों को मिलने वाले 52 शनिवार, 52 रविवार का अवकाश, 25 सामान्य अवकाश, 3 ऐच्छिक अवकाश, 52-52 शनिवार-रविवार, 13 सीएल, 30 अर्जित अवकाश शामिल हैं। अप्रैल में एक दिन का ऐच्छिक अवकाश मिलाकर लगातार पांच दिन की छुट्टी है।

55 ऐच्छिक अवकाश में से 3 छुट्टी ही ले सकेंगे: इस बार कर्मचारियों को 9 छुट्टी कम मिलेगी। रविवार पड़ने के कारण 3 सार्वजनिक और 6 ऐच्छिक अवकाश को सूची में शामिल नहीं किया गया है। वहीं 55 ऐच्छिक अवकाश में कर्मचारी केवल तीन दिन की छुट्टी ले सकते हैं। गणतंत्र दिवस, रामनवमी, मोहर्रम, महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती, भाई-दूज (होली), गुड़ी-पड़वा-चैतीचंद, बैशाखी, पितृ-मोक्ष अमावस्या और दीपावली रविवार के दिन होने की वजह से अलग से छुट्टी की सूची में इसे शामिल नहीं किया गया है।

अप्रैल में एक साथ 5 दिन छुट्टी: अप्रैल में सरकारी कर्मचारी अपने परिवार के साथ सैर सपाटे के लिए जा सकते हैं। 5 दिन का वीकेंड अप्रैल में पड़ रहा है। 10 अप्रैल गुरुवार को महावीर जयंती, 11 अप्रैल शुक्रवार को हाटकेश्वर जयंती, 12 अप्रैल शनिवार को धरती पूजा , 13 अप्रैल रविवार को ऐच्छिक अवकाश है। इसके साथ ही 14 सोमवार को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती है। अप्रैल में 4 शनिवार और 4 रविवार पड़ रहे हैं। 18 अप्रैल को गुडफ्राइडे की छुट्टी है।

स्कूल में शराब पीकर सोने वाला हेडमास्टर सस्पेंड

पढ़ाने के बजाए आराम फरमाता था, विभागीय जांच की भी सिफारिश

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में शराब पीकर स्कूल में सोने वाले प्रधान पाठक को सस्पेंड कर दिया गया है। बालेंगापारा स्थित प्राथमिक शाला के प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर ठाकुर पर शैक्षणिक कामों में लापरवाही और मद्यपान के आरोपों के चलते कार्रवाई की गई है। खंड शिक्षा अधिकारी और संकुल प्राचार्य के प्रतिवेदन के आधार पर यह एक्शन लिया गया है।

चंद्रशेखर ठाकुर के खिलाफ विद्यालय में अपने कर्तव्यों के दौरान सोने और संस्थान के रखरखाव पर ध्यान न देने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। साथ ही, ड्यूटी के दौरान मद्यपान किए जाने की भी पुष्टि हुई। जांच 26 सितंबर 2024 को की गई। जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए।

चंद्रशेखर ठाकुर का यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 का उल्लंघन है। इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत उन्हें निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की अवधि के दौरान उनका मुख्यालय खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कोंडागांव नियत किया गया है।

प्रधान पाठक के खिलाफ विभागीय जांच की भी सिफारिश: निलंबन अवधि में नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त, चंद्रशेखर ठाकुर के खिलाफ विभागीय जांच की भी सिफारिश की गई है, ताकि उनके आचरण की जांच की जा सके। यह कदम शिक्षकों के अनुशासन और जिम्मेदारी को बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के हितों की रक्षा हो सके।

जवानों से भरी बस ट्रक से टकराई

16 जवान घायल, ओवरटेक के दौरान हादसा, रायपुर से ट्रेनिंग कर सुकमा जा रहे थे जवान

मीडिया ऑडीटर, धमतरी एजेंसी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पुलिस जवानों से भरी बस ओवरटेक के दौरान ट्रक से टकरा गई। हादसे में 16 जवान घायल हुए हैं। जिसमें से 4 की हालत गंभीर है। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अर्जुनी थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मताबिक, सुकमा से जवानों को रिफ्रेशर कोर्स करने के लिए 28 सितंबर को रायपुर स्थित माना कैंप भेजा गया था। जहां से प्रशिक्षण खत्म होने के बाद बुधवार को वापस सुकमा लौट रहे थे। बस में महिलाओं समेत 20 जवान सवार थे।

ओवरटेक के चक्कर में हुआ हादसा: पुलिस जवानों ने बताया कि, करीब 1:30 बजे वो रायपुर से रवाना हुए थे। रास्ते में एक जगह खाना खाने के लिए रुके। इसके बाद संबलपुर के पास करीब 4 बजे ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान दूसरे ट्रक से टक्कर हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

जिला अस्पताल में चल रहा इलाज: एनएच-30 पर एक तरफ से आवाजाही बंद कर दी गई। अर्जुनी थाना की टीम मौके पर पहुंची। दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रक को रास्ते से हटाया गया। इसकी सूचना सुकमा जिला पुलिस को भी दे गई है। फिलहाल जवानों का इलाज धमतरी जिला अस्पताल में चल रहा है। बाकी दो महिला प्रधान आरक्षकों को रायपुर रेफर कर दिया गया है।

हादसे में यह जवान हुए घायल: घायलों में प्रधान आरक्षक श्रवण दीवान, स्वाति दीप तिर्की, पार्वती कश्यप और पूर्णिमा कोड़ोपी शामिल है। वहीं, आरक्षक सोयम हीरा, पोडियम हिड़मा, कट्टम रमेश, सुरेश दास, अनिल अहिरवार, वेक्को सुकड़ा, धनेश्वरी ध्रुव, ताती हिड़मे, बिंदेश्वरी नेताम, नूतन कुंजाम, टुकेश्वरी नाग और कुमारी माडवी मंगली भी घायल है।

कलेक्टर ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत अधिकारियों को दिलाई शपथ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। आज जिला के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में "उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम" के सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में "उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम" का शपथ दिलाई गई । इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 2030 तक सभी युवा, प्रौढ़, पुरुष एवं महिलाओं को शत-प्रतिशत बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान प्रदान करना लक्ष्य है।

"उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम" एक केंद्र प्रवर्तित योजना है, जो सभी के लिए शिक्षा के उद्देश्य को पूरा करने के लिए शुरू की गई है। इसके अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षरों को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस अभियान के प्रति जागरूक करने और जनसाधारण को जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने बैठक के दौरान कहा की इस कार्यक्रम के तहत "उल्लास केंद्र" की स्थापना, शिक्षार्थियों और स्वयंसेवी शिक्षकों का चिन्हांकन और कार्यक्रम के वातावरण निर्माण पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने पठन-पाठन सामग्री की व्यवस्था, स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी, प्रशिक्षकों और स्वयंसेवी शिक्षकों के प्रशिक्षण, और उल्लास केंद्रों के संचालन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की।

कलेक्टर ने कहा कि सभी असाक्षरों को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए स्वयंसेवी शिक्षकों की मदद ली जाएगी और सभी असाक्षरों और शिक्षकों का चिन्हांकन कर उल्लास पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा।

युवक को पीट-पीटकर मार डाला

शराब के नशे में गाली-गलौज करने पर वारदात, संदेही बोला-सिर्फ धक्का दिया, हत्या नहीं की

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले में शराब पीकर गाली-गलौज करने पर एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि लाश को झाड़ियों में फेंक कर आरोपी भाग गया था। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, पुराना बस स्टैंड के पास खंडहर हो चुके नेपाल लॉज परिसर में झाड़ियों में युवक की लाश मिली थी। आसपास के लोगों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।इस दौरान पूछताछ में पता चला कि बीती रात नेपाल लॉज परिसर के पास रहने वाले कर्ण दीप सिंह से उस युवक की लड़ाई हुई थी।

संदेही ने कहा- मारपीट कर झाड़ियों में फेंका: कर्णदीप सिंह ने पुलिस को बताया कि युवक नशे में धुत होकर उससे गाली-गलौज कर रहा था। इससे उसे गुस्सा आ गया। उसने युवक को पीटा फिर उसे झाड़ियों के पास धकेल दिया। युवक ने कहा कि उसने सिर्फ मारपीट कर धकेला था। उसने हत्या नहीं की है।

संदेही से पूछताछ, पिता को भी बुलाया थाने: कोतवाली पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस संदेही को लेकर थाने पहुंची है। संदेही के पिता को भी थाने बुलाया गया है। संदेही कर्ण दीप सिंह भी नशे का आदी बताया गया है।

सरगुजा एडिशनल एसपी अमोलक सिंह ने बताया कि पूछताछ के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा। मृतक के सिर में चोट के निशान मिले हैं।

तनाव और खराब जीवनशैली बनी रीढ़ की समस्याओं का कारण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। आप सभी भली भाँती जानते होंगे की आज विश्व रीढ़ दिवस है और इसको हर वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य रीढ़ की हड्डी और इससे जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूकता फैलाना रहता है। रीढ़ हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो न केवल हमें सहारा देता है बल्कि पूरे शरीर की संरचना और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। आधुनिक जीवनशैली, तनावपूर्ण दिनचर्या और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण रीढ़ से जुड़ी समस्याएं आज आम हो गई हैं। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य रीढ़ से संबंधित समस्याओं की रोकथाम, इलाज और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

इस विश्व रीढ़ दिवस की शुरुआत 2008 में हुई थी, जब वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ चिरोप्रैक्टिक ने पहली बार इसे मनाने की पहल की। इसका उद्देश्य रीढ़ से जुड़ी बीमारियों और विकारों, जैसे पीठ दर्द, गर्दन दर्द, साइटिका आदि के प्रति जागरूकता फैलाना है । 2012 में इसे बोन एंड जॉइंट डिकेड की एक पहल के रूप में अपनाया गया और आधिकारिक रूप से इसे हर साल मनाया जाने लगा। इसका मुख्य उद्देश्य रीढ़ की हड्डी से संबंधित विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इन विकारों से निपटने के लिए सही उपचार और रोकथाम के तरीके सिखाना है। इस दिवस के माध्यम से स्वास्थ्य विशेषज्ञ और संगठनों का लक्ष्य यह है कि लोग रीढ़ की सेहत के महत्व को समझें और अपनी दिनचर्या में इसे प्राथमिकता दें। रीढ़ की देखभाल करना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर आवश्यक है, बल्कि यह समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि रीढ़ से जुड़ी समस्याओं के कारण कई लोग अपनी दैनिक गतिविधियों में कठिनाई का सामना करते हैं।

नगर पालिका निगम चिरमिरी के सभागार में समय सभा की आखिरी बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। अनुमानित बजट वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल अनुमानित आय र 39037.84 लाख एवं वर्ष 2024-25का का प्रारंभिक अवशेष रु4320.88 लाख अनुसार कुल राशि रू 43358.72लाख के विरुद्ध वर्ष 2024-25मे अनुमानित व्यय रु43349.80लाख का बजट रखा गया है इस प्रकार से आगामी वर्ष 2024-25मे राशि 8.90लाख का बचत अनुमानित है।

एंकरः एमसी जिले के अंतर्गत आने वाले नगर पालिका निगम चिरमिरी के सभा कक्ष में आज सामान्य सभा की बैठक संपन्न हुई जिसमें अनेक विषयों पर सर्वसम्मति के साथ प्रस्ताव पारित हुआ जिसमें मुख्य रूप से

इलेक्ट्रॉनिक्स शव दाह मशीन को चोरी लेकर एफ आई आर के मामले में विपक्ष ने सवाल उठाया जिसमें नगर निगम चिरमिरी के आयुक्त अचला ने इलेक्ट्रॉनिक्स शवदाह मशीन चोरी के मामले में कहा कि अगर अब तक एफ आई आर नहीं हुआ है तो एक सप्ताह के अंदर एफ आई आर कराया जाएगा।

सदन में एक प्रस्ताव महापौर कंचन जायसवाल द्वारा रखा गया है जिसमें शासन द्वारा स्वीकृत कर के नवनिर्मित दो पार्क छोटी बाजार

चिल्ड्रेन पार्क का नाम बिसाहू दास महंत और डोमन हील में पार्क का नाम इंदिरा गांधी चिल्ड्रेन पार्क रखने का प्रस्ताव रखा गया है।

इसके साथ महापौर कंचन जायसवाल ने चिरमिरी के माटी पुत्र शहीद राजेश पटेल के स्मृति में एक पार्क का भी टेंडर जारी किया गया है।

पार्षद शिवास जैन ने सभा में एक प्रस्ताव रखा कहा कि चिरमिरी में जिला अस्पताल समेत 10 कार्यालय खोलने को लेकर प्रस्ताव और पुर्व महापौर डमरु रेड्डी के द्वारा एस ई सी एल की अनुपयोगी जमीन जिसे वापस लेकर चिरमिरी वासियों को पट्टा देने का जो उनका कार्य था उसे आगे बढ़ाया जाये एवं चिरमिरी में सभी जगहों पर खुले में मांस की ब्रिकी को स्लास्टर हाउस में शिफ्ट और खुले में दुकानों में पर्दा लगाया जाए। संतोष सिंह (नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका निगम चिरमिरी) "चिरमिरी के विकास के लिए जो बजट आई है चिरमिरी के स्थायित्व को लेकर यह बजट ऊंट के मूंह में जीरा के बराबर है।

शपथ ग्रहण समारोह से पहले कांग्रेस का बड़ा फैसला, उमर अब्दुल्ला की सरकार में नहीं होंगे शामिल

जम्मू कश्मीर (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला आज यानी 16 अक्टूबर की सुबह 11.30 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके शपथ ग्रहण से पहले कांग्रेस ने बड़ा फैसला लिया है। कांग्रेस जम्मू कश्मीर की उमर अब्दुल्ला सरकार का हिस्सा नहीं बनेगी, बल्कि उमर सरकार को बाहर से अपना समर्थन देगी। बता दें कि उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में गठबंधन किया था और साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। इस गठबंधन ने चुनाव में जीत भी हासिल की थी। कांग्रेस ने इस फैसले के पीछे की वजह भी बताई है और कहा है कि कांग्रेस की लोकल इकाई चाहती थी कि सरकार में कांग्रेस पार्टी शामिल हो, लेकिन कांग्रेस हाई कमान राज्य में पार्टी की परफॉर्मेंस से नाराज था, लिहाजा फैसला लिया गया कि बजाय कि कुछ लोगों को मंत्रीपद दिया जाए, लोकल इकाई पर यह दबाव बना रहे कि उन्हें संगठन को मजबूत करना है। कांग्रेस हाई कमान ने खराब परफॉर्मेंस के बावजूद नेताओं को मंत्री पद के लिए रिवॉर्ड नहीं चाहती थी।

बहराइच हिंसा में एक्शन में पुलिस, अब तक 50 उपद्रवी गिरिफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए बवाल में उपद्रव काटने वालों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। पुलिस ने 24 घंटों के भीतर 24 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उपद्रव के मामले में 50 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, जबकि 100 से अधिक लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है। उपद्रव के दौरान पुलिस कर्मियों के बनाए गए वीडियो से भी उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। प्रशासन की ताबड़तोड़ छापामारी की कार्रवाई को देख भीड़ में शामिल होकर उपद्रव करने वाले लोग फरार हैं। प्रतिमा विसर्जन के दौरान मकान से पथराव के बाद रेहुआ मंसूर गांव निवासी 22 वर्षीय रामगोपाल मिश्र की हत्या के बाद आक्रोशित भीड़ ने महराजगंज बाजार में तोड़फोड कर आगजनी की थी। शहर में भी स्टीलगंज तालाब के पास बाइक में आग लगा दी गई। अस्पताल चौराहे पर कई दुकानों को जला दिया गया था। काजीकटरा में भी आगजनी का प्रयास किया गया। घंटों पुलिस व उपद्रवियों के बीच गोरिल्ला युद्ध चलता रहा। उपद्रवियों को काबू करने के लिए एसटीएफ चीफ हाथ में पिस्टल लेकर दौड़ाना पड़ा था। मुख्यमंत्री ने मामले में उपद्रव करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रशासन भी एक्शन मोड में दिखा। नव नियुक्त हरदी थानाध्यक्ष कमलशंकर चतुर्वेदी ने मंगलवार को आशिक आशिक रसूल, नमीमुद्दीन, मुहम्द रईश, राजा बाबू, साकिब समेत 24 अन्य लोगो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह ने सभी पकड़े गए आरोपितों को जेल भेज दिया है। सोमवार को 26 लोगो को गिरफ्तार कर एसडीएम न्यायालय रवाना किया था।

योगी-राजनाथ समेत 9 नेताओं की सुरक्षा से हटेंगे NSG कमांडो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) को VIP सिक्योरिटी से हटाने का फैसला लिया है। इनकी जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के जवान लेंगे। अगले महीने से आदेश लागू हो जाएगा।

पार्लियामेंट की सिक्योरिटी में लगे रिटायर्ड CRPF जवानों को स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें VIP सिक्योरिटी विंग में भेजा गया है। इसके लिए नई बटालियन बनाई गई है। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद ये जवान VIP सुरक्षा में तैनात होंगे।

CRPF के पास पहले से 6 वीआईपी सिक्योरिटी बटालियन मौजूद है। नई बटालियन के साथ ये सात हो जाएंगी।

देश में इस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत 9 नेता ऐसे हैं, जिनकी सिक्योरिटी ह्स्त के ब्लैक कैट कमांडो करते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, एनसी नेता फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में ह्स्त कमांडों तैनात हैं। अब इनके पास से ये कमांडो हट जाएंगे। CRPF सिक्योरिटी विंग कमान संभालेगी।

डॉक्टरों की भूख हड़ताल 12वें दिन भी जारी

कोलकाता (एजेंसी)। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में कोलकाता के एस्प्लेनेड में जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन 12वें दिन भी जारी रहा। एस्प्लेनेड स्थित मंच पर भूख हड़ताल पर बैठे जूनियर डॉक्टरों की कुल संख्या अब सात हो गई है। अखिल भारतीय स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान की रूमेलिका कुमार और मिदनापुर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के स्पंदन चौधरी भी अब इस भूख हड़ताल में शामिल हो गए हैं। इस बीच, दुर्गा पूजा समाप्त होने के साथ ही इस घटना पर जारी विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए कोलकाता पुलिस ने उत्तरी कोलकाता में आर.जी. कर कॉम्प्लेक्स के आसपास प्रोहिबिटरी ऑर्डर (निषेधाज्ञा) को 30 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है, जिसके तहत उस पूरे क्षेत्र में पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 को श्यामबाजार फाइन-पॉइंट क्रॉसिंग, ताला, श्यामपुकुर और उल्टाडांगा सहित अन्य क्षेत्रों में लागू कर दिया गया है। निषेधाज्ञा बढ़ाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टर ने कहा कि इस तरह के दमनकारी फैसले सही नहीं है। इस जघन्य बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन सिर्फ कोलकाता या पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है।

दिल्ली में आप सरकार का बड़ा फैसला, बिजली कनेक्शन के लिए अब एनओसी की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली की 1731 कच्ची कॉलोनियों में अब बिजली के मीटर लगाने के लिए किसी तरह की एनओसी की जरूरत नहीं होगी। पहले इन कॉलोनियों में बिजली की मीटर लगाने के लिए दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी से एनओसी लेनी होती थी। लेकिन अब इस समस्या से लोगों को निजात मिल गई है। अब अनधिकृत कॉलोनी में रहने वाले लोगों को बिना किसी एनओसी के भी बिजली कनेक्शन मिल जाएगा। सीएम आतिशी ने कहा, डीडीए ने अनधिकृत कॉलोनी में रह रहे लोगों को बिजली कनेक्शन लेने के लिए एक शर्त यह लगा दी थी कि एनओसी लेकर आए कि उनका मकान/कॉलोनी लैंड पूलिंग जमीन पर नहीं है। इस पर दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि इन 1731 अनाधिकृत कालोनियों में रहने वाले लोगों को अब एनओसी की जरूरत नहीं होगी। आतिशी ने कहा, सामान्यत: बिजली कनेक्शन के लिए 15 दिन का समय लगता है वही समय डिस्कॉम लेंगी।

दरअसल, पिछले कुछ सालों से दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनी में बिजली विभाग द्वारा किसी के भी घर पर मीटर लगाने के लिए डीडीए की एनओसी की मांग की जा रही थी।

फतेहपुर : तेज रफ्तार कार खड़े ट्राला में घुसी, तीन लोगों की दर्दनाक मौत

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में कल्याणपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को सड़क हादसे में कार सवार तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा हाईवे पर बड़ौरी टोल प्लाजा के पास हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार सुबह कानपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बलेनो कार खड़े ट्राला में घुस गई। इस हादसे में कार में सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल तीसरे व्यक्ति को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। इसके बाद पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एनएसजी राइजिंग डे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) राइजिंग डे के अवसर पर बुधवार को अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर एक संदेश साझा किया है, जिसमें उन्होंने एनएसजी के सभी कर्मियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दी। अमित शाह ने कहा कि एनएसजी ने 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' के अपने आदर्श वाक्य को पूरा करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में अद्वितीय विशेषज्ञता दिखाई है।

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एनएसजी के स्थापना दिवस पर, मैं हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड कर्मियों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' के आदर्श वाक्य पर चलते हुए, एनएसजी ने त्वरित प्रतिक्रिया, सामरिक आश्चर्य, गुप्त संचालन और त्रुटिहीन सटीकता में उल्लेखनीय विशेषज्ञता के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को लगातार मजबूत किया है।

अमित शाह ने एनएसजी के वीरों को भी सलाम किया, जिन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने लिखा, एनएसजी के उन बहादुर जवानों को सलाम, जिन्होंने कर्तव्य की राह में अपने प्राणों की बलिदान दिया।

उमर अब्दुल्ला ने ली सीएम पद की शपथ

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। अब्दुल्ला 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री बने हैं। अनुच्छेद 370 हटने के बाद तत्कालीन राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में अब्दुल्ला का यह दूसरा कार्यकाल होगा। पहले कार्यकाल में वह 5 जनवरी, 2009 और 8 जनवरी, 2015 के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री थे। उमर अब्दुल्ला को शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शपथ दिलाई।

लॉरेंस बिश्नोई के सहयोगी के पिता ने जीता सरपंच का चुनाव, हत्या सहित कई आपराधिक मामले हैं दर्ज

खन्ना (एजेंसी)। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह के प्रमुख सदस्य राजवीर सिंह उर्फ रवि राजगढ़ के पिता जगतार सिंह ढिल्लों (62) को लुधियाना जिले के खन्ना उपमंडल में उनके पैतृक गांव राजगढ़ का सरपंच चुना गया था। पंजाब भर में पंचायत चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुआ। ए-श्रेणी के गैंगस्टर रवि राजगढ़ के खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में हत्या और हत्या के प्रयास सहित कम से कम 12 एफआईआर दर्ज हैं। मंगलवार को मतदान के दौरान वह राजगढ़ गांव में मौजूद था। वह जमानत पर बाहर है। दोराहा पुलिस स्टेशन के एसएचओ इंस्पेक्टर राव वरिंदर सिंह ने कहा कि नवनिर्वाचित सरपंच ढिल्लों का भी आपराधिक रिकॉर्ड है और उन पर कई मामले दर्ज किए गए हैं। इंस्पेक्टर ने कहा, उस पर हत्या सहित कई मामलों में मामला दर्ज किया गया था और उसने कुछ समय जेल में भी बिताया था।

इंस्पेक्टर ने कहा कि ढिल्लों और उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार बलजिंदर सिंह के बीच पुरानी दुश्मनी है। सरपंच पद के लिए ढिल्लों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले बलजिंदर 2011 में रवि राजगढ़, उनके पिता और अन्य के खिलाफ दर्ज हत्या के मामले में मुख्य गवाह थे। जिसमें रवि को दोषी ठहराया गया था।

तमिलनाडु : चेन्नई में भारी बारिश जारी, कई इलाकों में पानी भरने से लोग परेशान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चेन्नई और आसपास के जिलों में लगातार दूसरे दिन भी भारी बारिश जारी है। कई इलाकों में पानी भरने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश से पूर्वोत्तर मानसून के आगमन का संकेत मिल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारी बारिश से अन्ना नगर पश्चिम, कोलाथुर, पम्मल, पेरम्बूर और राज्य की राजधानी के अन्य हिस्सों में आवासीय क्षेत्र में घुटनों तक पानी भर गया है। वहीं चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिलों के कई हिस्सों में ट्रैफिक जाम की जानकारी सामने आई है। मौसम विभाग ने उत्तरी भागों और डेल्टा क्षेत्र के 12 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार तक रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो होने की संभावना है।

कमलनाथ के फिर राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने के आसार

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ बीते कुछ समय से राजनीतिक तौर पर कम सक्रिय हैं मगर अब उनके फिर से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने के आसार बन रहे हैं। यह अनुमान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से उनकी दिल्ली में हुई मुलाकात के आधार पर लगाए जा रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने वर्ष 2018 में राष्ट्रीय राजनीति से मध्य प्रदेश की ओर रुख किया था। उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था और उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सत्ता हासिल की थी। कांग्रेस सत्ता में महज 15 माह रही, आपसी खींचतान के चलते सत्ता हाथ से खिसक गई और भाजपा की फिर सत्ता में वापसी हो गई। उसके बाद से कमलनाथ का दायरा लगातार सिमटता गया और वर्तमान में उनकी ज्यादा सक्रियता छिंदवाड़ा तक सीमित है।

कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ छिंदवाड़ा से लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं, वहीं उनके करीबी अमरवाड़ा से विधायक रहे कमलेश शाह ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। अभी हाल ही में हुए हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव में पार्टी ने कमलनाथ का राजनीतिक तौर पर कोई उपयोग नहीं किया। आगामी समय में महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के अलावा उप चुनाव भी होने वाले हैं। मध्य प्रदेश के दो विधानसभा क्षेत्र बुधनी और विजयपुर में उपचुनाव होना है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कमलनाथ के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर उनसे न केवल मुलाकात की बल्कि दो घंटे तक दोनों साथ भी रहे। इस मुलाकात को राजनीतिक तौर पर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि कमलनाथ का छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र महाराष्ट्र की सीमा से लगा हुआ है और वहां के कई इलाकों में कमलनाथ का प्रभाव है और सियासी तौर पर दखलअंदाजी भी है। इतना ही नहीं महाराष्ट्र के औद्योगिक घरानों से भी कमलनाथ की नजदीकियां है। कांग्रेस महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में कमलनाथ के प्रभाव का उपयोग करना चाहती है और इसलिए राहुल गांधी ने उनसे लंबी चर्चा की है।

राहुल गांधी और कमलनाथ की इस मुलाकात ने सियासी हलकों में हलचल पैदा कर दी है। साथ ही यह कयास लगाए जाने लगे हैं कि कमलनाथ की राष्ट्रीय राजनीति में एक बार फिर सक्रियता बढ़ेगी और आगामी चुनाव में वह बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश से ही नाता रखने वाले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को पार्टी ने पूरी तरह किनारे कर दिया है और उनका न तो जम्मू कश्मीर व हरियाणा के चुनाव में कोई उपयोग किया गया और अब संभावना यही है कि झारखंड और महाराष्ट्र के चुनाव में भी पार्टी उन्हें दूर ही रखने वाली है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : तीन महीने पहले रची थी हत्या की साजिश, आरोपियों ने यूट्यूब से सीखा था गोली चलाना

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की बीते शनिवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। अब इस मामले की गुत्थी सुलझाने की कोशिश हो रही है। आरोपियों को लेकर एक और नया दावा किया जा रहा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बाबा सिद्दीकी को मारने की प्लानिंग पुणे में तीन महीने पहले से ही शुरू हो गई थी। हत्यारों ने यूट्यूब से गोली चलाना सीखा था। इतना ही नहीं उनकी स्नैपटचैट तथा इंस्टाग्राम पर ही आपस में बातचीत होती थी। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को मारने आए आरोपियों गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप ने छह राउंड फायर किया था। अस्पताल ले जाते वक्त बाबा सिद्दीकी की मौत हो गई थी। कुछ घंटों बाद ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। सूत्रों ने बताया कि यह पता लगा है कि आरोपी यूट्यूब पर गोली चलाने का अभ्यास करते थे।

एशेज के शेड्यूल का ऐला, 43 साल बाद इस जगह होगा ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच 2025-26 एशेज सीरीज के शेड्यूल की घोषणा हो गई है। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 से 25 नवंबर 2025 के बीच पर्थ में खेला जाएगा। 43 साल बाद पर्थ स्टेडियम में एशेज सीरीज का पहला मैच होगा। पर्थ में इंग्लैंड की टीम 1978 के बाद टेस्ट मैच नहीं जीती है। पर्थ स्टेडियम में वह एक भी मैच नहीं खेली है। ब्रिस्बेन के गाबा में 4-8 दिसंबर के बीच डे नाइट टेस्ट खेला जाएगा। एशेज में पहली बार पिंक बॉल टेस्ट होगा। क्रिसमस से पहले का टेस्ट मैच 17 से 21 दिसंबर के बीच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 से 30 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। न्यू ईयर टेस्ट 4 से 8 जनवरी के बीच खेला जाएगा। चार दशक से अधिक समय में पहली बार एशेज सीरीज गाबा के अलावा किसी अन्य मैदान पर शुरू होगी। 1877 में दोनों देशों के बीच पहली भिड़ंत के बाद से आठवां ऑस्ट्रेलियाई एशेज वेन्यू बन जाएगा। पर्थ स्टेडियम को 2020-21 की कोविड काल में पांचवें टेस्ट की मेजबानी करनी थी, लेकिन महामारी के दौरान पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की क्वारंटाइन को लेकर खख्त नियमों के कारण उस मैच को होबार्ट के बेलरिव ओवल में शिफ्ट कर दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया में एशेज अभियान पिछली बार ब्रिस्बेन के अलावा किसी अन्य शहर में 1982-83 में शुरू हुआ था। पर्थ के वाका स्टेडिय में मैच खेला गया था।

तेज गेंदबाजी में बेंच स्ट्रेंथ की जरूरत क्योंकि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते- रोहित

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, ''जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो।'' उन्होंने कहा, ''हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें।'' यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी। हालांकि प्रसिद्ध की टीम के साथ यात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से फिटनेस स्वीकृति मिलने पर निर्भर है।

भारतीय कप्तान से ज्यादा ये खिलाड़ी बिके महंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला हॉकी इंडिया लीग पहली बार आयोजित हो रही है। इसका आयोजन बुधवार को दिल्ली में हुआ। इस ऑक्शन में भारतीय खिलाड़ियों के लिए टीमों ने जमकर पैसा लुटाया। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे, युवा खिलाड़ी उदिता दुहान, लारेमसियामी हमरजोटे और पूर्व कप्तान सविता पूनिया जैसे नाम महंगे साबित हुए। हालांकि, कप्तान सलीमा टेटे से ज्यादा जूनियर खिलाड़ियों पर पैसा बरसा। सभी टीमों के पास दो करोड़ रुपये का पर्स था जिसमें से उन्हें 24 खिलाड़ी खरीदने थे। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे को सूरमा हॉकी क्लब ने 20 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद महिला टीम की कप्तान भी पंजाब के ही हिस्सा आईं। वहीं दिन की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं डिफेंडर उदिता दुहान जिनके लिए कई टीमों के बीच लड़ाई देखने को मिली। आखिर में सूरमा और बंगाल के बीच बीडिंग की लंबी लड़ाई चली और दुहान को बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा। हालांकि, ये पुरुष लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी की आधे से भी कम रकम है।

गोल नहीं कर सके रोनाल्डो, पुर्तगाल ने स्कॉटलैंड से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो गोल नहीं कर सके और पुर्तगाल ने नेशंस लीग में स्कॉटलैंड से गोलरहित ड्रॉ खेला। पुर्तगाल ने क्रोएशिया, स्कॉटलैंड और पोलैंड से पहले तीन मैच जीते थे लेकिन ग्लासगो में तीसरे मैच में गोल करने में नाकाम रही।

अब तक 133 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके रोनाल्डो के पास कई मौके आये लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सके। पुर्तगाल इस ड्रॉ के बावजूद ग्रुप एवन में शीर्ष पर है जबकि क्रोएशिया दूसरे स्थान पर है।

वहीं स्पेन ने सर्बिया को 3.0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। क्रोएशिया ने पोलैंड से 3.3 से ड्रॉ खेला। कोसोवो ने साइप्रस को ग्रुप सी के मैच में 3.0 से हराया जबकि रोमानिया ने लिथुआनिया को 2.1 से मात दी। बेलारूस ने लक्जेमबर्ग से 1.1 से ड्रॉ खेला।

पूर्व कप्तान रानी रामपाल का बयान, कहा- बरसों से महिला हॉकी लीग का इंतजार था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी की 'पोस्टर गर्ल' रही पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने महिला लीग की शुरूआत को देश में खेल के लिये मील का पत्थर बताते हुए कहा कि उन्हें बरसों से इसका इंतजार था और अब खिलाड़ी के रूप में भले ही नहीं लेकिन कोच के तौर पर भी इससे जुड़कर वह गर्व महसूस कर रही हैं। टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम की कप्तान रही रानी देश में पहली बार शुरू हो रही हॉकी इंडिया महिला लीग में पंजाब और हरियाणा के सूरमा हॉकी क्लब की मेंटर और कोच होंगी। रानी ने यहां महिला लीग के लिये खिलाड़ियों की नीलामी से इतर से कहा ,'' हॉकी मेरा जुनून है। मैने जितने समय खेला, जुनून के साथ खेला।

मेरे दिमाग में हमेशा से यह था कि भारतीय हॉकी से जुड़ने के लिये जो भी मौका मिलेगा, उसे मैं स्वीकार जरूर करूंगी।हॉकी मेरे दिमाग में हमेशा चलती रहती थी।'' भारत के लिये 212 मैचों में 134 गोल कर चुकी पद्मश्री से सम्मानित 30 वर्ष की इस खिलाड़ी ने कहा ,'' मैने राष्ट्रीय टीम में वापसी की बहुत कोशिश की लेकिन ओलंपिक से पहले हो नहीं पाया। इस महिला लीग के लिये हमने बहुत साल इंतजार किया है

और जब यह शुरू हुई तो खिलाड़ी नहीं लेकिन कोचिंग स्टाफ के तौर पर जुड़कर भी बहुत अच्छा लग रहा है।'' यह पूछने पर कि क्या लीग में खेलने की इच्छा नहीं थी, रानी ने कहा कि कई बार कठिन फैसले लेने पड़ते हैं हालांकि उन्होंने खेल से संन्यास के बारे में कोई खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा,'' मैं एक महिला खिलाड़ी हूं और मैने बहुत संघर्ष झेला है। एक खिलाड़ी हमेशा खिलाड़ी होता है। खेलने की ख्वाहिश कभी खत्म नहीं होती। कई बार आपको कठिन फैसला लेना होता है और मैने कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़ने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा ,'' संन्यास के बारे में बोलना अभी मुश्किल है। अभी लीग में नयी चुनौती का सामना करूंगी और उसके बाद कोई अंतिम फैसला लूंगी।'' पेरिस ओलंपिक 2024 के लिये क्वालीफाई नहीं कर पाने को भारत में महिला हॉकी के लिये झटका बताते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि अतीत को भुलाकर अब 2026 एशियाई खेलों और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर फोकस करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पास हरेंद्र सिंह के रूप में एक सक्षम कोच है जो पोडियम फिनिश का सपना पूरा कर सकते हैं। हरियाणा के शाहबाद की रहने वाली इस खिलाड़ी ने कहा ,'' तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहना बहुत बड़ा पल था। इसके लिये बहुत साल लगे और खिलाड़ियों, महासंघ, कोचों ने बहुत मेहनत की थी। हमने 2024 में पेरिस के लिये क्वालीफाई नहीं किया जो करारा झटका था लेकिन खेल में हर दिन नयी सीख होती है। जीत और हार खेल का हिस्सा हैं।'' इस महान स्ट्राइकर ने कहा ,''कोई भी टीम हारना नहीं चाहती।

हम अतीत को बदल नहीं सकते लेकिन अब 2028 के लिये देखना है। पहला लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई करना होना चाहिये। महिला लीग खिलाड़ियों का पूल तैयार करने में काफी मददगार हो सकती है।'' उन्होंने कहा,''हरेंद्र सर कोच के तौर पर लौटे हैं जिनके साथ मैंने काफी हॉकी खेली है। उनके साथ सबसे बड़ा फायदा यह है कि वह हमारी संस्कृति और जानते हैं। हमारे कई खिलाड़ी ग्रामीण इलाकों से आते हैं और उनसे हिन्दी में बात करने पर समझ में आता है।'' उन्होंने कहा ,'' हरेंद्र सर हमेशा देश के लिये जीतने की सोचते हैं और वही भावना खिलाड़ियों में भी डालते हैं। खिलाड़ियों के दिल को छूने के लिये बहुत बड़ा माध्यम है और हमें यकीन है कि हरेंद्र सर के साथ 2028 में टीम अच्छा करेगी।''

लियोनेल मेसी ने तोड़ा क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड, संन्यास को लेकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल जगत में पिछले दो दशकों से अर्जेंटीना के लियोनल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बीच प्रतिद्वंद्विता चल रही है। दोनों अंतर्राष्ट्रीय और प्रोफेशनल फुटबॉल में एक दूसरे के रिकॉर्ड तोड़ते आ रहे हैं। इस रिकॉर्ड तो तोड़ने के बाद मेसी ने अपने रिटायरमेंट को लेकर भी बड़ी बात कही।

वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना बोलिविया का सामना कर रही थी। इस मैच में उन्होंने 6-0 से जीत हासिल की जिसमें मेसी की हैट्रिक का अहम रोल था। 37 साल के मेसी ने 19वें, 84वें और 86वें मिनट में गोल किए। अर्जेंटीना के दो गोल मेसी के पास पर हुए। उन्होंने लोटारो मार्तिनेज और जूलियन अल्वारेज के लिए गए गोल में एसिस्टेंट की भूमिका निभाई थी।

ये मेसी के करियर की 10वीं अंतर्राष्ट्रीय हैट्रिक थी। इस मामले में उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की बराबरी की। वह दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 10 हैट्रिक लगाई है। दोनों सबसे ज्यादा हैट्रिक लगाने वाली खिलाड़ी हैं।

लियोनेल मेसी ने मैच को लेकर कहा, यहां आकर लोगों का प्यार महसूस करके बहुत अच्छा लगता है जिस तरह से वे मेरा नाम पुकारते हैं उससे मैं बहुत प्रभावित होता हूं। ये मुझे प्रेरित करता है। मैं जहां हूं वहां खुश रहना पसंद करता हूं। अपनी उम्र के बावजूद, जब मैं यहां आथा हूं तो मैं खुद को एक बच्चे की तरह महसूस करता हूं क्योंकि मैं इस टीम के साथ सहज हूं।

कामरान गुलाम डेब्यू टेस्ट में जड़ा शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ जब दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए बाबर आजम को पाकिस्तान टीम से बाहर किया गया था तब काफी हंगामा मचा था। उनकी जगह टीम में कामरान गुलाम को लाया गया और दूसरे टेस्ट की पहली पारी में नंबर 4 पर खेलते हुए इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने खुद को साबित भी कर दिया। 29 साल के कामरान गुलाम ने अपने डेब्यू टेस्ट की पहली ही पारी में शतक लगाया जबकि बाबर आजम ऐसा नहीं कर पाए थे। यही नहीं कामरान गुलाम डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दुनिया के छठे बल्लेबाज भी बने और कई दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुए, लेकिन डेब्यू टेस्ट मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज भारत के थे और उन्होंने 94 साल पहले ऐसा कमाल किया था। इंग्लैंड के खिलाफ कामरान गुलाम ने मुल्तान में दूसरे टेस्ट मैच की

पहली पारी में 224 गेंदों पर 118 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने एक छक्का और 11 चौके भी लगाए का कमाल किया और ये टेस्ट में उनका पहला शतक भी रहा। इस पारी के बाद कामरान अकमल डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाने वाले वर्ल्ड के चौथे बल्लेबाज बने साथ ही पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बने। डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर कामरान से पहले पाकिस्तान के लिए सलीम मलिक ने साल 1982 में शतकीय पारी खेली थी। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में डेब्यू मैच में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाने का कमाल करने वाले पहले खिलाड़ी भारत के थे। नवाब ऑफ पटौदी ने साल 1932 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। उन्होंने ये कमाल 92 साल पहले किया था। वहीं भारत की तरफ से ये कमाल गुणडप्पा विश्वनाथ भी कर चुके हैं। उन्होंने साल 1969 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में चौथे नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। भारत के लिए ऐसा अब तक सिर्फ इन दो खिलाड़ियों ने किया है।

खतरे में है हरमनप्रीत कौर की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई हैं। जिसके बाद हरमनप्रीत कौर की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। वहीं भारतीय कंट्रोल बोर्ड इस बात पर फैसला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है कि यूएई में महिला टी20 वर्ल्ड कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारतीय महिला टीम को नए कप्तान की जरूरत है या नहीं। हाल के वर्षों में पहली बार हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम नॉकआउट चरण तक भी नहीं पहुंच पाई और आईसीसी ट्रॉफी के लिए उनका इंतजार जारी रहा। इंडियन एक्स्प्रेस को मिली जानकारी के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति और मुख्य कोच अमोल मजूमदार के साथ हरमनप्रीत की कप्तान के भविष्य पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा। साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि,

बैठक 24 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम के चयन से पहले होगी। संयोग से, हरमनप्रीत ने 2016 में भारत की टी20 कप्तान के रूप में पदभार संभाला था, जब टीम घरेलू सरजमीं पर आयोजित टूर्नामेंट की सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही थी। 2024 के टूर्नामेंट से पहले हरमनप्रीत की अगुवाई में भारत नॉकआउट में जगह बनाने में कायमबा रहा है और 2020 के सीज में फाइनल में पहुंची, लेकिन जीत नहीं पाई। 2024 में एक मजबूत टीम होने के बावजूद, भारत पहले ही मैच में न्यूजीलैंड से हार गया, जिससे सेमीफाइनल में पहुंचने की उनकी संभावनाएं काफी कम हो गईं। पिछले रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें हराकर बाहर कर दिया। हालांकि, हरमनप्रीत की जगह भारतीय टीम में सुरक्षित है, लेकिन संभावना है कि कुछ सहयोगी स्टाफ के अनुबंध को नवीनीकृत नहीं किया जाएगा।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के 12वां दीक्षांत समारोह संपन्न

कुलाधिपति से 26 शोधार्थियों ने उपाधि और 32 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

आकर्षण का केन्द्र रही दीक्षांत शोभा यात्रा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के दीक्षांत प्रांगण में परम्परागत गरिमा, उल्लास और उत्साह के वातावरण में सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और दीक्षांत समारोह के अध्यक्ष, मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने 26 छात्रों को शोध उपाधि व 32 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों पदक और 01 विद्यार्थी को नानाजी मेडल मंच से प्रदान किया। समारोह के मुख्य अतिथि और प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो0 भरत मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन और प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कुलगुरू ने उपाधि धारकों को दीक्षांत शपथ भी दिलाई। दीक्षांत शोभायात्रा का नेतृत्व कुलसचिव नीरजा नामदेव ने किया, जिसमें विद्यापरिषद और प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों के साथ सभी संकायों के अधिष्ठाता सहभागी रहे। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ0 ललित कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर उपाधि और मेडल पाने वाले विद्यार्थी, उनके अभिभावक, गणमान्य नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी, ग्रामोदय के शिक्षक, अधिकारी-कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

समृद्धि के शिखर पर माता-पिता, समाज और देश को न भूलें- मंगुभाई पटेलः ीक्षांत समारोह में कुलाधिपति श्री मंगु भाई पटेल ने भाव विव्हल होकर श्रद्धेय नानाजी के कार्यों का पुण्य स्मरण किया। उन्होंने उपाधि धारकों से कहा कि हमें ऐसा कोई काम नहीं करना है जिससे समाज या राष्ट्र का अहित हो। आपने जहां से शिक्षा प्राप्त की है वह नाना जी का विश्वविद्यालय है वे जहां भी हैं वहां से हमें देख रहें हैं, हमारे कामों से उन्हें शांति और संतोष की अनुभूति होनी चाहिए।

छात्रों को आशीष देते हुए कुलाधिपति ने कहा कि आप बड़ी नौकरी और बड़े पद पायें लेकिन ये याद रखें कि आपको इस मुकाम तक पहुँचाने वाले आपके माता-पिता, आपका समाज, आपका देश और आपके शिक्षक हैं अतः समृद्धि और सफलता के शिखर पर पहूँचकर इन्हें कभी नही भूलें। समृद्धि पुरूषार्थ से सभी को मिल सकती है पर मेरी इच्छा है कि आप समृद्धि के साथ उदारता को भी प्राप्त करें। जैसे चित्रकूट के कण-कण में नानाजी की उदारता और उनकी संकल्प शक्ति के दर्शन होते हैं वैसे ही आपके कार्यों से आपकी और आपके विश्वविद्यालय की कीर्ति दूर-दूर तक पहुँचे। आज के समय में लक्ष्य से भटकाने वाले बहुत से आकर्षण समाज में हैं। इनसे बचकर अपना समय और शक्ति राष्ट्र और स्व कल्याण में लगायें। यही मेरी कामना है।

उपाधि और पदक के साथ नानाजी के आदर्शों को भी साथ ले जाएं- इंदर सिंह परमारः विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में दीक्षांत उद्बोधन प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने प्रस्तुत किया। दीक्षांत उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए उन्होने कहा कि पहले दीक्षांत समारोह ऐसे हुआ करते थे जैसे अपने देश में न होकर विदेश में हो रहें हो।

यह भारतीयता का स्वरूप सबको लुभाने वाला है। मै इस नवाचार के लिए विश्वविद्यालय को बधाई देता हूँ। भारतीयता और भारतीय मूल्य उच्च शिक्षा के मूल में रहें यही नानाजी का चिंतन था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से हमें भारतीयता से अनुप्राणित शिक्षा व्यवस्था दी है।

मुझे प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश ने इसे समग्रता से लागू करने में सफलता प्राप्त की है। जिसमें ग्रामोदय विश्वविद्यालय का भी महत्वपूर्ण स्थान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों की चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि इसके अधिकांश प्रावधानों पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय में नानाजी के चिंतन से तीन दशकों पहले कार्य प्रारम्भ हुआ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी बनाने के लिए उन्होंने महामहिम कुलाधिपति के योगदान की सराहना की। उपाधि एवं पदक प्राप्ति के साथ उन्होने उपाधि धारकों से नानाजी के आदर्शो को अपने साथ समाज में ले जाने की जरूरत बताते हुए इस दिशा में संकल्प लेने की पैरवी की।

पुलिस पर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मैहर में चल समारोह के दौरान पुलिसकर्मी को मारे थे थप्पड़, 2 अन्य की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले में दुर्गा प्रतिमाओं के चल समारोह के दौरान पुलिस पर हमला करने का दूसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में भाजपा नेता और पार्षद पति को पुलिस पहले ही पकड़ कर पुलिस उनका जुलूस निकाल चुकी है, जबकि दो अन्य की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार, मैहर में चल समारोह के दौरान मैहर थाने के आरक्षक गुड्डू यादव के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक ओर आरोपी सुरेंद्र उर्फ हीरा पिता रामविशाल चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था और एक गांव में अपने दोस्त के पास छिपकर रह रहा था।

पहले ही गिरफ्तार हो चुका है पार्षद पतिः बता दें कि इस मामले में मैहर के वार्ड 12 की पार्षद अर्चना चौरसिया के पति और भाजपा नगर मंडल के उपाध्यक्ष अरुण चौरसिया को पुलिस ने मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ही पकड़ लिया था।

2 आरोपियों की तलाश जारीः इसके बाद पुलिस ने कस्बे में पार्षद पति का जुलूस भी निकाला था। घटना में पार्षद पति के साथ 3 अन्य लोग भी चिह्नित हुए थे, जिनमें से एक आरोपी सुरेंद्र को पुलिस ने पकड़ लिया है। जबकि, 2 अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

हत्या के आरोप में जेठ को उम्र कैद

पारिवारिक विवाद में भाई की पत्नी को मारी कुल्हाड़ी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। महिला की हत्या के एक मामले में सतना की अदालत ने आरोपी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। साथ ही एक हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। इस प्रकरण पर अदालत ने 8 महीने के अंदर विचारण पूर्ण कर दंडादेश पारित किया है।

छोटे भाई के पत्नी की हत्या कीः सतना के 11वें अपर सत्र न्यायाधीश मुकेश सिंह चौहान ने 4 फरवरी 2024 को हुई गीता आदिवासी पत्नी सोनू आदिवासी की हत्या के मामले में मृतका के जेठ शंकरदीन आदिवासी निवासी ग्राम चितगढ़ थाना कोटर को दोषी करार दिया है। अदालत ने अभियुक्त शंकरदीन आदिवासी को आजीवन कारावास की सजा और 1 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है।

अपर लोक अभियोजक के मुताबिक अभियुक्त शंकरदीन आदिवासी ने पारिवारिक विवाद के बीच 4 फरवरी को अपने छोटे भाई सोनू की पत्नी गीता के साथ मारपीट की। उसने गीता पर कुल्हाड़ी से वार किया जो उसके माथे पर लगा। वारदात के बाद आरोपी भाग निकला। गीता को सेमरिया स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोटर थाना पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार किया। अदालत ने इस प्रकरण पर 8 माह के अंदर विचारण पूर्ण कर अभियुक्त को सजा सुनाई।

राज्यपाल को दी गई भावभीनी विदाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल सतना जिले के चित्रकूट के दो दिवसीय प्रवास के दौरान बुधवार को डीआरआई के हैलीपेड से खजुराहो के लिए प्रस्थित हुए। चित्रकूट में जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने राज्यपाल को भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, कुलगुरु डॉ भरत मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, कमिष्नर रीवा बीएस जामोद, आईजी महेंद्र सिंह सिकरवार, कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, एसडीएम जितेंद्र वर्मा, संगठन सचिव अभय महाजन, पूर्व मंत्री उषा ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

100 दिवस से अधिक सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण करें : कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष से बुधवार को कलेक्टर रानी बाटड़ की अध्यक्षता में समय-सीमा प्रकरणों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं दूरभाष जनसुनवाई में प्राप्त लंबित शिकायतो सहित विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए उपस्थित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, आरती यादव, डॉ आरती सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर रानी बाटड ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि 100 दिवस से अधिक सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों को दस दिवस के अंतराल में संतुष्टिपूर्वक निराकरण करते हुए 50 प्रतिशत शिकायते बंद करने का लक्ष्य विभागीय अधिकारियों निर्धारित करे। कलेक्टर ने कहा कि सौ दिवस से सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरण 4432 है। इनमें महिला बाल विकास 2113, उच्च शिक्षा 22, ऊर्जा 50, कृषि 5, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग 186, जल संसाधन 2, राजस्व 894, जनपद मैहर 18, पीडब्ल्यूडी 4, पीएचई 6, लोक सेवा कल्याण 576 की षिकायतेंदर्ज है। कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बार-बार समझाए जाने के बावजूद किसी प्रकार का सुधार नहीं आ रहा है। जिसमें महिला बाल विकास के अधिकारी एवं सीडीपीओ द्वारा अपेक्षित नहीं करने की वजह से आधी से अधिक शिकायते लंबित है। उन्होंने कहा कि आदेशों के बावजूद सीएम हेल्पलाइन पोर्टल में दर्ज षिकायतों को विभागीय अधिकारियों द्वारा अनदेखी करने वजह से निम्न गुणवत्ता के जवाब भरे जा रहे है। जिसमें सुधार नहीं पाये जाने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, महिला बाल विकास अधिकारी, बीएमओ एवं सीडीपीओ को नोटिस जारी कर जबाव प्रस्तुत करने के निर्देष दिये। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों के एक दिवस के वेतन पर रोक लगाने की कार्यवाही करने के आदेष भी दिये।

ऊंची सोच रख कर आगे बढें और समाज को अपना योगदान करें : राज्यपाल

महामहिम राज्यपाल ने आवासीय विद्यालय की बालिकाओं से किया संवाद

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सतना जिले के चित्रकूट में अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान बुधवार को दीन दयाल षोध संस्थान के कृष्ण देवी वनवासी बालिका विद्यालय की छात्राओं के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि भारतर% राष्ट्र ऋषि नानाजी देषमुख की आज 108वीं जयंती मनाई जा रही है। आप सब सौभाग्यषाली है जो उनके द्वारा स्थापित विद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि ऊंची सोच रखकर जीवन में आगे बढे और समाज में जागरूकता लाकर अपना योगदान दें। उन्होंने छात्राओं से कहा कि प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करें, खान-पान में मोटे अनाज का उपयोग करें। इसके साथ ही भोजन में सलाद और हरी सब्जियां का भी उपयोग करें। राज्यपाल ने छात्राओं को वीरांगना रानी दुर्गावती की वीरता और उनके आदर्ष चरित्र के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। इस मौके पर आवासीय विद्यालय के छात्राओं द्वारा सूर्य नमस्कार योग क्रियायें, मार्षल आर्ट डंबल प्रदर्षन और सामूहिक गायत्री मंत्र सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। राज्यपाल ने बालिकाओं को फलो की टोकरी का वितरण किया और उनके साथ बैठकर सुबह का नाष्ता भी किया। इस अवसर पर उच्च षिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, कोषाध्यक्ष बसंत पंडित, कमिष्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी महेन्द्र सिंह सिकरवार, कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, एसडीएम जितेंद्र वर्मा एवं डीआरआई के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपदा 2.0 के अंतर्गत दस्तावेज का हुआ प्रथम रिमोट पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देषानुसार राज्य में संपदा 2.0 के अंतर्गत घर बैठ सुविधा के तहत दस्तावेजों का पंजीयन किये जाने की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। सतना जिले में उप पंजीयक कार्यालय में संपदा 2.0 के अंतर्गत रिमोट पंजीयन के माध्यम से घर बैठे प्रथम दस्तावेज का संपादन किया गया। साथ ही ऑफिस बेस्ड प्रथम विलेख भी इस दौरान पंजीबद्ध हुआ। सेवा प्रदाता सुमित अग्रवाल पिता प्रदीप अग्रवाल द्वारा पहली रजिस्ट्री करवाई गयी एवं भृगवंश उर्फ दादू पांडेय द्वारा प्रथम घर से वीडियो बेस्ट पावर आफ अटार्नी करवाई गई। उप पंजीयक अनीता रैदास द्वारा जिला पंजीयक डॉ कीर्ति सिंह एवं एपी जबलपुर जोन के मार्गदर्शन में उक्त प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपादित की गई। ई-दक्ष केन्द्र, सतना के मास्टर ट्रेनर सतीश पाण्डेय एवं डॉ. ऋतुराज रूसिया' को सफल प्रशिक्षण के लिए प्रसंशा प्रत्र भी जिला पंजीयक द्वारा सफल ट्रेनिंग प्रदाय करने के लिए प्रदान किया गया। अभी हाल ही में संपदा 2.0 पोर्टल का समस्त प्रदेश में शुभारंभ हुआ था इसी क्रम में अभी संपदा 1 एवं 2 दोनों पोर्टल चालू हैं महानिरीक्षक पंजीयक एवं डीआईजी जबलपुर जोन के निर्देशन में ज्यादा से ज्यादा विलेख संपदा 2.0 से कराया जाने हेतु आम जन से अपेक्षा की जा रही है।

सतना-मैहर में भी पांव पसार रहा डेंगू

ब्लड ट्रांसफ्यूजन के पहले ही बच्चे की मौत, 18 की रिपोर्ट पॉजिटिव

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश भर में कोहराम मचा रहे डेंगू के डंक ने सतना और मैहर जिले को भी अपना आतंक फैलाना शुरू कर दिया है। डेंगू से मैहर के एक बच्चे की मौत हो गई है जबकि 18 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस स्थिति के बावजूद स्वास्थ्य अमला सक्रिय नहीं हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, सतना जिला अस्पताल की ओपीडी और आईपीडी में आए मरीजों में से 18 की एलाइजा टेस्ट रिपोर्ट अब तक डेंगू पॉजिटिव आ चुकी है। दो हफ्तों में ओपीडी से गए 6 और आईपीडी के 12 सैंपलों की जांच में डेंगू का संक्रमण पाया गया है। इसके पूर्व सितंबर के महीने में भी 11 डेंगू पॉजिटिव केस की जानकारी मलेरिया विभाग ने खुद ही सीएमएचओ सतना को दी थी। इन पॉजिटिव केसों के बीच एक बच्चे की मौत भी हो चुकी है।

मैहर के खैरा का है मृतकः मैहर जिले के ग्राम खैरा निवासी 12 वर्षीय अभिलाष कोरी पिता विजय कोरी की डेंगू से मौत हुई है। उसे मैहर सिविल हॉस्पिटल से सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया था। यहां डॉक्टरों ने उसे 5 यूनिट ब्लड चढ़ाने की जरूरत बताई थी। लेकिन जब डोनर पहुंचा तभी अभिलाष की मौत की खबर आ गई। ब्लड ट्रांसफ्यूजन के पहले ही उसने दम तोड़ दिया।

न मलेरिया विभाग अलर्ट, न निकायों का दवा छिड़काव पर ध्यानः मौसम में ठंडक घुलने के साथ ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है। डेंगू के मरीज भी सामने आने लगे हैं। लेकिन इस स्थिति के बावजूद न तो मलेरिया विभाग अलर्ट मोड पर आ पाया है और न ही निकायों का ध्यान सफाई और दवा के छिड़काव पर है। बेपरवाही का आलम ये है कि गांव और कस्बे तो दूर सतना शहर में ही नगर निगम मच्छर रोधी दवा का छिड़काव नहीं करा पा रहा है।

चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच होगा चित्रकूट का दीपावली मेला

आवश्यक व्यवस्थाओं के लिये कलेक्टर ने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। चित्रकूट में आगामी दीपावली मेला 29 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक आयोजित होगा। अमावस्या मेला के दौरान चित्रकूट में देश-देशांतर से आने वाले श्रद्धालु तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में बुधवार को चित्रकूट के रघुवीर मंदिर में कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मेले की तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को जिम्मेदारी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष साधना पटेल, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, महंत कामतानाथ चित्रकूट मदन गोपालदास, सीएमओ विषाल सिंह, सीईओ जनपद सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं साधु-संत तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

चित्रकूट अमावस्या मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए समय रहते सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, आश्रय स्थल सहित आवागमन के मार्गों सहित भीड़ नियंत्रण के लिए ड्रॉप गेट एवं बैरिकेटिंग की व्यवस्था दुरुस्त रखें। 'राजस्व विभाग' आश्रय स्थलों का चिन्हांकन करें एवं चित्रकूट के दार्शनिक केंद्र आवागमन, सुविधाओं को प्रदर्शित करने वाली मैप होर्डिंग भी लगवाए। 'नगर परिषद चित्रकूट' साफ-सफाई, पेयजल, आंतरिक सड़कों की मरम्मत, कंट्रोल रुम, खोया-पाया केंद्र आदि की व्यवस्था करें।

कलेक्टर ने कहा कि मेले के दौरान संपूर्ण पेयजल व्यवस्था के लिए 'लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग' नोडल होगा। 'विद्युत कंपनी' के अधिकारी पूरे नगर परिषद क्षेत्र का भ्रमण कर लाइन और ट्रांसफार्मर चेक कर लें। कहीं भी विद्युत दुर्घटना की संभावना नहीं रहनी चाहिए। मेले के दौरान चित्रकूट क्षेत्र में सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। बैरिकेटिंग के लिए बांस बल्ली और अलाव के लिए लकड़ी की व्यवस्था 'वन विभाग' करेगा। बैरिकेटिंग और लोक निर्माण की सड़कों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी 'लोक निर्माण विभाग' की होगी। 'खाद्य विभाग' और खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से कलेक्टर ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र की दुकानों में राशन वितरण, होटलों में खान-पान की वस्तुओं की सैंपलिंग के अलावा खाने-पीने की वस्तुओं की रेट सूची प्रतिष्ठान में प्रदर्शित कराएं और खाद्य पदार्थों की बिक्री तय कीमत पर सुनिश्चित कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि संपूर्ण मेला क्षेत्र में प्रकाश की समुचित व्यवस्था रहे। नदी के घाटों में पर्याप्त गोताखोर और बचाव सामग्री के साथ होमगार्ड की टीम भी तैनात रहेंगी। नाविकों से भी कहा गया है कि नाव में क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठायें। नावों में बैठक क्षमता और रेट सूची भी प्रदर्शित करें। पुलिस अधीक्षक गुप्ता ने कहा कि निर्देशों के उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने दीपावली मेले के दौरान और उससे पूर्व सभी पेयजल स्त्रोतों का जल परीक्षण और शुद्धिकरण तथा क्लोरीनेशन सतत रूप से कराने के निर्देश भी दिए हैं। होटल एवं रेस्टोरेंट के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि मेला के दौरान असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा सके। मेला जोन के निर्धारित स्थलों पर निःशुल्क चिकित्सा केंद्र तथा प्रमुख स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी रखने के निर्देश दिए गए। संपूर्ण परिक्रमा क्षेत्र में होटल और रेस्टोरेंट में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है। व्यावसायिक गैस सिलेंडर की भी नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि दीपावली मेले में कार्यरत विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं संबंधित जन ड्यूटी मानकर नहीं बल्कि सेवा भाव से अपना कर्तव्य निभायें। मेले के दौरान समर्पित भावना से काम करे ताकि दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुजन चित्रकूट से अच्छी स्मृतियां लेकर लौटे।

महामहिम राज्यपाल ने रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर अर्पित किये श्रद्धासुमन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल सतना जिले के चित्रकूट में अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान चित्रकूट से कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां के पास स्थित कृष्णा देवी वनवासी बालिका विद्यालय परिसर पहुंचे। वहां उन्होंने वीरांगना रानी दुर्गावती की विषाल प्रतिमा पर पुष्प अर्चन कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस मौके पर डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, कोषाध्यक्ष बसंत पंडित, कमिष्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी महेन्द्र सिंह सिकरवार, कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, एसडीएम जितेंद्र वर्मा एवं डीआरआई के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।